भाद्रपद शुक्ल पक्ष 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-73 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल 18 सितंबर 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

**युवा धर्म संसद... तीन दिनों के आयोजन में देशभर के 1700 युवाओं की भागीदारी**

## धर्म जीवन का अनुशासन, इसी से मिलती है भौतिक सुख और मोक्ष की राह: भागवत

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

यहां आयोजित 'युवा धर्म संसद' को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म जीवन का अनुशासन है। किसी इच्छा की पूर्ति, भय, लोभ या प्राण बचाने के लिए भी धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन धर्म नित्य रहता है। उन्होंने कहा कि जीवन में जिस भौतिक सुख और अर्थ-काम की अपेक्षा मनुष्य करता है, वह धर्म के पालन से प्राप्त होती है। धर्म का पालन जीवन के सुख देने के साथ मोक्ष की ओर भी अग्रसर करता है। इस कार्यक्रम में संघ के शताब्दी वर्ष, ढांचागत बदलावों और पंच परिवर्तन के लक्ष्यों पर गहन मंथन किया जा रहा है।

श्री भागवत ने कहा कि आज धर्म को लेकर भ्रम का एक कारण अपनी भाषा और धर्म के वास्तविक अर्थ को भूल जाना है। पश्चिमी लोगों ने भारत में धर्म के आचरण और उससे जुड़े कर्मकांड व अनुशासन को देखा और उसे अपने यहां के 'रिलिजन' के समान समझ लिया। बाद में हम भी धर्म को रिलिजन कहने लगे। उन्होंने कुश्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कुश्ती सीखने के लिए अखाड़े में जोर-बैठक लगाना जरूरी है, वैसे ही धर्म के कर्मकांड और अनुशासन उसके अभ्यास का हिस्सा हैं। कर्मकांड धर्म का एक अंग है, पूरा धर्म नहीं। उन्होंने कहा- 'रिलिजन धर्म नहीं है।'

### पंच परिवर्तन के लक्ष्यों का लेखा-जोखा

कार्यक्रम के अन्य प्रमुख एजेंडे में संघ के शताब्दी वर्ष के लिए तय किए गए 'पंच परिवर्तन' के कार्यों की गहन समीक्षा भी शामिल है। अब तक इन पांच दिशा-निर्देशों पर धरातल पर कितना कार्य हुआ है और शताब्दी वर्ष के लक्ष्यों की प्राप्ति किस स्तर तक हुई है, इसका विस्तृत लेखा-जोखा इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव के इन कार्यों को और गति दी जा सके।

अवधेशानंद गिरी और मनोज मुन्तशिर भी हो रहे हैं शामिल

### अगले साल का आयोजन द्वारका में किया जाएगा

गीता भवन में आयोजित हो रहे सेवान्न संस्थानम् के इस कार्यक्रम में देशभर से करीब 1,700 युवा छात्र-छात्राएं शामिल होने पहुंचे हैं। दूसरे दिन करीब 300 विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल समापन सत्र में शामिल होंगे। सिद्धपीठ हनुमत निवास अयोध्या के पीठाधीश्वर एवं संरक्षक आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरणजी महाराज के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, काशी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार और कांचीपुरम् के बाद यह युवा धर्म संसद का छठा संस्करण है। अगले साल इसका आयोजन द्वारका में किया जाएगा। इससे पहले काशी, अयोध्या, हरिद्वार, मथुरा और कांचीपुरम में इसका आयोजन हो चुका है। उद्घाटन सत्र के बाद दोपहर 12 से 2 बजे तक व्याख्यान सत्र आयोजित हुआ जिसमे अवधेशानंद गिरि, आचार्य महामंडलेश्वर, जूना अखाड़ा; मनोज मुंतशिर, प्रसिद्ध पटकथा लेखक एवं गीतकार; प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी, कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय; स्मृति अनंतलक्ष्मी, सह-संस्थापिका एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शिका, अनादि फाउंडेशन और जे. नंद कुमार, राष्ट्रीय संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह ने युवाओं का मार्गदर्शन किया।

### राहुल का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम कल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार, 19 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में युवाओं और छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है और छात्र-युवा प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संपर्क किया जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संवाद प्रस्तावित है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को आयोजन की व्यवस्थाओं तथा युवाओं की भागीदारी से जुड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

## ममता के सामने अब बंगाल नहीं अपनी TMC बचाने की चुनौती

राजेश सिरोठिया
कोलकाता
ग्राउंड रिपोर्ट

चार मई 2026 को पश्चिम बंगाल की सत्ता गंवाने के बाद क्या ममता बनर्जी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती भारतीय जनता पार्टी की सरकार से मुकाबला करना है या उससे भी बड़ा संकट उनकी अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर पैदा हो चुका है? बंगाल की मौजूदा राजनीति को देखें तो दूसरा सवाल ज्यादा गंभीर दिखाई देता है। जिस ममता बनर्जी ने 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चे को सत्ता से हटाकर बंगाल की राजनीति का नक्शा बदल दिया था, वही ममता अब सत्ता से बाहर हैं और उनकी पार्टी के भीतर नेतृत्व, विधायक दल तथा चुनाव चिन्ह को लेकर अभूतपूर्व संघर्ष चल रहा है।

विधानसभा चुनाव में टीएमसी के 80 विधायक चुने गए थे। इसके बाद जून में निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 58 विधायकों ने उनके समर्थन का दावा करते हुए उन्हें विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाने की मांग की। ममता खेमे ने इस दावे और उसकी वैधता को स्वीकार नहीं किया। यहीं से टीएमसी का संकट महज राजनीतिक असहमति नहीं रहा। यह पार्टी के संगठन और वैध प्रतिनिधित्व का सवाल बन गया। ममता बनर्जी ने नंदीग्राम उपचुनाव में स्वयं उतरने के बजाय अपनी पार्टी का उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नंदीग्राम उनके और शुभेंदु अधिकारी के बीच बंगाल की सबसे बड़ी प्रतीकात्मक राजनीतिक लड़ाइयों में बदल चुका है। तीसरी बार उस मैदान में स्वयं उतरना राजनीतिक रूप से क्या संदेश देता? इसके जवाब में ममता ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में फैसला किया।

लेकिन सबसे बड़ा मोड़ 17 सितंबर को आया। चुनाव आयोग ने अंतरिम आदेश में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का नाम और उसका चुनाव निशान यानी 'जोड़ा फूल' फिलहाल दोनों गुटों के लिए फ्रीज कर दिया। नंदीग्राम और रेजीनगर के आगामी उपचुनावों में दोनों पक्ष इस नाम और निशां का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। आयोग ने दोनों गुटों से नए नाम और स्वतंत्र चुनाव चिन्ह के विकल्प मांगे हैं। यह फैसला अंतिम रूप से यह तय नहीं करता कि 'असली टीएमसी' कौन है। लेकिन इतना जरूर है कि दशकों से ममता की राजनीतिक पहचान रहे नाम और प्रतीक पर अब तत्काल चुनावी अधिकार किसी एक पक्ष को नहीं मिला है। यही ममता के सामने सबसे कठिन राजनीतिक प्रश्न है? क्या वह अपनी पार्टी को फिर से एकजुट कर पाएंगी? क्या विधायक दल का बड़ा हिस्सा उनके साथ वापस आएगा? क्या संगठन पर उनका नियंत्रण बना रहेगा? और यदि चुनाव आयोग अंतत: संगठनात्मक अधिकार किसी एक गुट को देता है, तो दूसरा गुट किस राजनीतिक पहचान के साथ आगे बढ़ेगा?

दूसरी तरफ कांग्रेस और वाम दल भी इस बदली परिस्थिति को देख रहे हैं। लेकिन दोनों के सामने अपनी अलग समस्या है। बंगाल में लंबे समय से सत्ता से बाहर कांग्रेस का संगठन कमजोर है और वाम दलों का पुराना कैडर नेटवर्क भी अपने ऐतिहासिक प्रभाव से बहुत दूर है। अजय विश्वास जैसे वरिष्ठ बंगाली पत्रकार का आकलन है कि दोनों दलों के सामने जमीनी संगठन की चुनौती है। वाम के पास हालांकि अपेक्षाकृत पुराना संगठनात्मक अनुभव और कैडर आधार बचा हुआ है। -जारी...

### भतीजा प्रेम ने दूर कर दिए सांसद और विधायक

क्या ममता फिर कांग्रेस की ओर लौट सकती है? फिलहाल ऐसा कोई स्थापित तथ्य नहीं है। कांग्रेस और टीएमसी के बीच किसी संभावित संपर्क को लेकर दावे और खंडन जरूर सामने आए हैं। उन्हें राजनीतिक संभावना के तौर पर खारिज नहीं कर सकते लेकिन इसे कोई पुष्ट तथ्य नहीं माना जा सकता। असल सवाल यह है कि चार मई को सत्ता गंवाने वाली ममता अब अपनी पार्टी को बचा पाती है या नहीं। बंगाल की राजनीति में शायद पहली बार सवाल यह नहीं है कि अगली सरकार कौन बनाएगा। सवाल यह है की अगली टीएमसी कौन चलाएगा? 2021 के चुनावी नतीजों के बाद ममता दीदी ने बीजेपी के सांसद और विधायकों को धमका कर अपने पाले में लाने की जबरिया कोशिश की थी। लेकिन, 2026 के नतीजों बाद भतीजा प्रेम के फेर में उनके अधिकांश सांसद और विधायक स्वत: पल्ला झाड़ चुके हैं और शुभेंदु दादा को बल्लेबाजी के लिए खुला मैदान मिल गया है।

## न्यूज विंडो

### कोरबा: तालाब में नहाने गईं तीन सहेलियों की डूबने से मौत

**कोरबा।** जिले के पाली थाना क्षेत्र के ग्राम नुनेरा में एक दर्दनाक हादसा हो गया। अलगू तालाब में नहाने गई तीन मासूम बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान 7 वर्षीय इंदु अगरिया, 8 वर्षीय राखी और 8 वर्षीय साधना के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। जानकारी के अनुसार इंदु अगरिया पिता दुर्जन सात वर्ष, राखी पिता मलखम आठ वर्ष और साधना पिता सुखसिंह आठ वर्ष एक ही बस्ती की रहने वाली थीं।

### अमृतसर में एएसआई की हत्या अज्ञात हमलावरों ने मारी गोलियां

**अमृतसर।** अमृतसर में गुरुवार देर रात ड्यूटी पर तैनात पंजाब पुलिस के एक एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। थाना गेट हकीमां में तैनात एएसआई हरजीत सिंह करीब रात 2:30 बजे दाना मंडी के पास मोटरसाइकिल पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। फायरिंग में एएसआई हरजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

### सिख ड्राइवर पर चाकू से 17 वार, ट्रंप प्रशासन के पोस्ट के बाद हमला

**वाशिंगटन।** अमेरिका में एक पंजाबी सिख ट्रक ड्राइवर पर जानलेवा हमला हुआ है। सैक्रामेंटो के रहने वाले 28 साल के ड्राइवर पर बाथरूम में चाकू से 17 बार मारा गया। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भारी विवाद हुआ था, जिसे बाद में डिलीट कर दिया गया।

### राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह को श्रद्धांजलि अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जबलपुर में अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के 169वें बलिदान दिवस के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मालगोदाम चौक स्थित प्रतिमा और समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

**ट्रम्प की 2.3 लाख करोड़ की डील को मंजूरी**

### अब सऊदी को एफ-35 फाइटर जेट देगा अमेरिका

**वॉशिंगटन डीसी/ रियाद।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सऊदी अरब को 48 F-35 फाइटर जेट बेचने की मंजूरी दे दी है। इन विमानों की कीमत करीब 24 अरब डॉलर यानी 2.3 लाख करोड़ है। हालांकि, डील पूरी होने से पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है।

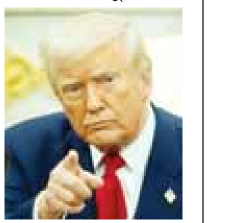

इस बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चिंता जताई है कि F-35 की संवेदनशील तकनीक चीन के हाथ लग सकती है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, पेंटागन की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (DIA) की एक रिपोर्ट में इस खतरे का जिक्र किया गया है।

**भोपाल-सीहोर में बारिश; यूपी में आंधी चली**

### उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में तापमान माइनस 2 पर आया

**देहरादून।** उत्तराखंड के चमोली के हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। वहीं, केदारनाथ और रुद्रनाथ में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने के साथ ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ में आज सुबह तापमान माइनस 2°C रिकॉर्ड किया गया।

**बिहार में बाढ़ से 50 लाख प्रभावित**

मध्य प्रदेश में भोपाल, सीहोर और देवास में तेज बारिश हुई। प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। सितंबर के आखिरी सप्ताह से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 सितंबर तक राज्य में बारिश और आंधी का दौर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रुक-रुककर बारिश जारी है।

**तीन नाबालिग सहित चार गिरफ्तार**

### नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या, कुत्तों ने नोचा शव

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा है। इनमें तीन नाबालिग और एक बालिग शामिल है। किशोरी का शव 13 सितंबर को मिला था।

जांच के दौरान पुलिस को आसपास के सीसीटीवी कैमरों में एक संदिग्ध टेंपो घूमता हुआ दिखा। इस टेंपो की बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बालिग आरोपी की पहचान खड्डा कॉलोनी निवासी शिवम उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है।

नाबालिगों की उम्र 16 से 17 साल के बीच बताई गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक नाबालिग आरोपी मृत लड़की की दोस्त है। सभी आरोपी टेंपो से साथ आए थे और उन्होंने शराब पी रखी थी। लड़की के पुलिस में शिकायत करने के डर से आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस सभी उपलब्ध फोरेंसिक और तकनीकी सबूतों की पुष्टि कर रही है।

### खेत में मिली थी लाश

बाहरी उत्तरी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त लोकेश्वरन आर ने बताया कि 13 सितंबर की सुबह स्वरूप नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी। कुशक रोड, लाल बाउंड्री के पास जयपाल राणा के खेत में एक लड़की का शव पड़ा था। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पाया कि उसकी चाकू गोदकर हत्या की गई थी। मृतका की मौके पर पहचान नहीं हो पाई थी, बाद में उसकी पहचान स्वरूप नगर इलाके की रहने वाली के तौर पर हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। मिली जानकारी के मुताबिक, मृत का शव गल चुका था और उसका एक हाथ नहीं था। खेतों में शव के पड़े होने से उसे कुत्तों ने नोंच खाया।

### आज का कार्टून

**मेट्रो एंकर** | **डिमांड पूरी करने के लिए भारत की फैक्ट्रियों में दिन-रात चल रहा है काम**

## आईफोन-18 की दीवानगी... रातभर जागकर लाइन में लगे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी

एप्पल के नए आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की भारत में बिक्री शुरू होते ही लोगों की दीवानगी सड़कों पर नजर आई। आज सुबह बिक्री शुरू होने से कई घंटे पहले ही दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु और दूसरे बड़े शहरों में एप्पल स्टोर के बाहर खरीदारों की लंबी कतारें लग गई और वे रात भर स्टोर के बाहर खड़े दिखाई दिए। कुछ खरीदार तड़के 3 से 5 बजे के बीच कतार में शामिल हुए। जगह लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

दिल्ली के साकेत स्थित एप्पल स्टोर और नोएडा के स्टोर के बाहर सुबह होते-होते भीड़ बढ़ती गई। मुंबई के बीकेसी और बेंगलुरु में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। खरीदारों में सबसे पहले नया फोन हासिल करने को लेकर खास उत्साह था। सोशल मीडिया पर कतारों के वीडियो और तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं। कई लोगों ने इसे किसी त्योहार की तैयारी जैसा बताया।

खास बात यह है कि इस बार फोन की कीमत भी कम नहीं है। आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए और आईफोन 18 प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है। इसके बावजूद पहले दिन दुकानों पर पहुंचने वालों की संख्या बताती है कि एप्पल के महंगे फोन के लिए भारत में खरीदारों का एक मजबूत वर्ग तैयार हो चुका है। आईफोन 18 प्रो के अलग-अलग विकल्पों की कीमत 3,29,900 रुपए तक जाती है। इस उत्साह का असर केवल दुकानों के बाहर नहीं दिखा।

आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स की मांग पूरी करने के लिए भारत में एप्पल के उत्पादन से जुड़ी इकाइयां भी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की इकाइयों ने नए मॉडल तैयार किए जा रहे हैं। भारत में बने फोन का एक हिस्सा घरेलू बाजार के साथ दूसरे देशों में भी भेजा जा रहा है।

### आईफोन 18 प्रो मैक्स में खास

एप्पल प्रेमियों के लिए नया आईफोन हासिल करना अभी भी सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि अनुभव और प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला दिखाई देता है। नए फोन में बेहतर कैमरा, नया ए20 प्रो चिप और बैटरी से जुड़े सुधार दिए गए हैं। आईफोन 18 प्रो में 48 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा और बदलने वाला कैमरा सिस्टम भी दिया गया है, जिससे अलग-अलग रोशनी में तस्वीर और वीडियो लेने की क्षमता बढ़ाने का दावा किया गया है। प्रो मैक्स में वीडियो चलाने पर 43 घंटे तक की बैटरी क्षमता का दावा किया गया है। 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जबकि आईफोन 18 प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए रखी गई है। दोनों मॉडल में 256 जीबी से लेकर 2 टीबी तक स्टोरेज विकल्प उपलब्ध हैं।

# विदाई से पहले फिर बरसेंगे बदरा, सितंबर के आखिरी सप्ताह में मप्र तरबतर होगा

## प्रदेश में अभी सामान्य से 7% कम बारिश, बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम बढ़ा सकता है बारिश का दौर, 32 जिलों में हुई वर्षा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मानसून की विदाई से पहले एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सितंबर के आखिरी सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में बनने वाला नया मौसम सिस्टम प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ा सकता है। सामान्य तौर पर मध्यप्रदेश से मानसून की विदाई 2 अक्टूबर के आसपास होती है। फिलहाल प्रदेश में 1 जून से 17 सितंबर तक सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है।

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार पूर्वी मध्यप्रदेश में बारिश की कमी करीब 2 प्रतिशत, जबकि पश्चिमी मध्यप्रदेश में 11 प्रतिशत है। हालांकि आगामी दिनों में बारिश होने से आंकड़ा सामान्य सीमा के आसपास पहुंचने की उम्मीद है। प्रदेश की सामान्य मौसमी बारिश 37.3 इंच है। मौसम केंद्र के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में 18 सितंबर की शाम तक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 19 सितंबर तक निम्न दबाव का क्षेत्र बन सकता है। सिस्टम के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने पर सितंबर के आखिरी सप्ताह में प्रदेश में बारिश बढ़ सकती है। पिछले 24 घंटे में 32 जिलों में बारिश हुई। देवास के हाटपिपलिया में सर्वाधिक करीब 45 मिमी बारिश दर्ज की गई। रहटगढ़ में 29.4 और सतना में 25.2 मिमी पानी गिरा।

### 32 जिलों में बारिश, हाटपिपलिया में पौने 2 इंच

पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 32 जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, भिंड, मुरैना, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, मैहर, रीवा, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, अशोकनगर, धार, खरगोन, खंडवा, देवास और शाजापुर में बारिश दर्ज की गई है। सबसे अधिक बारिश देवास के हाटपिपलिया में करीब 45 मिमी रही। रहटगढ़ में 29.4 मिमी और सतना में 25.2 मिमी पानी गिरा।

### बीते 13 साल में आखिरी सप्ताह में बारिश का ट्रेंड

भोपाल के पिछले 13 साल के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर के आखिरी सप्ताह में हर साल बारिश हुई है। कभी एक दिन तो कभी लगातार पांच दिन तक पानी बरसा। साल 2019 में पूरे सप्ताह बारिश हुई थी, जबकि 2025 में तीन दिन बारिश दर्ज की गई। 2023 और 2024 में सितंबर के अंतिम सप्ताह के दौरान एक दिन में दो इंच से ज्यादा बारिश भी रिकॉर्ड हुई थी।

---

### फिरोजाबाद से कैश लूटकर भोपाल भाग रहे थे चार आरोपी, 118 किमी का सफर 2 घंटे में तय किया

# हादसे ने खोला 41 लाख की लूट का राज मुरैना में ट्रक से भिड़ गई बदमाशों की कार

भोपाल/मुरैना। दोपहर मेट्रो

फिरोजाबाद में पशु व्यापारियों की कार से 41 लाख रुपए लूटकर भोपाल भाग रहे चार बदमाश मुरैना में सड़क हादसे के बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गए। घटना 15 सितंबर की है। पुलिस के अनुसार आरोपी रात करीब 2 बजे लूट के बाद कार से मध्यप्रदेश की ओर भागे और करीब दो घंटे में 118 किमी की दूरी तय कर सुबह 4 बजे मुरैना के फ्लाईओवर पर ट्रक से टकरा गए।

हादसे में चारों घायल होकर कार में फंस गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे भाजपा नेता अर्जुन तोमर मदद के लिए रुके। घायलों ने उनसे कार से बैग निकालने को कहा। एक बैग भारी और सख्त लगा तो उन्हें शक हुआ। पुलिस के पहुंचने पर बैगों की तलाशी ली गई, जिसमें 41 लाख रुपए नकद मिले। कार से पिस्टल, चाकू और काले मास्क भी बरामद हुए। फिरोजाबाद पुलिस के अनुसार भोपाल निवासी राज ने करीब 10 दिन तक व्यापारियों की गतिविधियों की रैकी की थी। इसके बाद उसने भोपाल के रिहान, खालिद, अरसव और आबिद को वारदात के लिए बुलाया। आरोपियों ने व्यापारियों की कार से दो बैग निकाले थे। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल, कॉल डिटेल, आपसी संपर्क और पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

### बैग में कपड़े बताए, निकली 41 लाख की नकदी

हादसे के बाद घायलों ने मदद के लिए पहुंचे अर्जुन तोमर से कार से बैग निकालने को कहा। एक घायल ने बताया कि बैग में कपड़े रखे हैं। तोमर ने जब एक बैग उठाया तो वह अपेक्षाकृत भारी और सख्त लगा। उन्हें शक हुआ कि इसमें कोई कीमती सामान हो सकता है। इसी बीच दूसरे घायल ने एक और बैग होने की जानकारी दी। तोमर ने दोनों बैग पुलिस को सौंप दिए। एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल भेजे जाने के बाद पुलिस ने बैगों की तलाशी ली। उसमें नोटों की गड्डियां मिलीं। नकदी की गिनती में कुल 41 लाख रुपए मिले। इसके बाद पुलिस ने घायलों से पूछताछ शुरू की और फिरोजाबाद पुलिस से संपर्क किया। जांच में सामने आया कि यह रकम पशु व्यापारियों से लूटी गई थी।

### 10 दिन की रैकी के बाद रची लूट की साजिश

फिरोजाबाद पुलिस के अनुसार भोपाल निवासी राज करीब 10 दिन पहले अपने रिश्तेदारों के यहां आया था। इसी दौरान उसने पशु व्यापारियों की गतिविधियों पर नजर रखी। उसने देखा कि व्यापारी सुबह की हाट में जाने के लिए रात करीब 2 बजे बड़ी रकम लेकर घर से निकलते हैं। राज ने यह जानकारी भोपाल के चार आरोपियों रिहान (22), खालिद (40), अरसव (35) और आबिद (27) को दी। इसके बाद चारों को फिरोजाबाद बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक इनमें अरसव और आबिद भोपाल के निगरानीशुदा बदमाश हैं। 14 सितंबर की रात व्यापारी कार से निकले। कुछ दूरी पर एक व्यापारी मोबाइल लेने वापस घर गया, जबकि अन्य दो लोग कुछ आगे चले गए। इसी दौरान आरोपियों ने कार से नकदी से भरे दो बैग निकाल लिए और फरार हो गए। लूट के बाद चारों आरोपी कार से मध्यप्रदेश की ओर भागे। फिरोजाबाद पुलिस को वारदात की सूचना मिलने के बाद आरोपियों का पीछा किया गया। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने रास्ते में लगातार तेज रफ्तार से कार दौड़ाई और करीब दो घंटे में 118 किमी की दूरी तय कर ली। 15 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे मुरैना कोतवाली थाना क्षेत्र के फ्लाईओवर पर ओवरटेक करने के दौरान उनकी कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में चारों आरोपी घायल होकर कार में फंस गए।

---

### बीयू का दीक्षांत समारोह

# 85 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि और 27 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड मेडल

## कार्यक्रम में राज्यपाल हुए शामिल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आज सुबह 10:30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगू भाई पटेल ने की।

समारोह में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि रहे। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कुलपति प्रो. के. रंगराजन मुख्य वक्ता के रूप में दीक्षांत भाषण दिया। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के कुलगुरु एवं उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन दीक्षांत उपदेश दिया।

### 85 शोधार्थियों को मिली पीएचडी की उपाधि

दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी के 85 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 27 गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इनमें आर्ट्स, कॉमर्स, एजुकेशन, इंजीनियरिंग, लाइफ साइंस, मैनेजमेंट, फार्मेसी, फिजिकल एजुकेशन, साइंस और सोशल साइंस सहित विभिन्न संकाय शामिल हैं।

### 5 गोल्ड मेडल प्रायोजित

कुल 27 स्वर्ण पदकों में 5 गोल्ड मेडल प्रायोजित हैं। सीताराम जिंदल फाउंडेशन की ओर से तीन गोल्ड मेडल दिए गए। दिलीप सूर्यवंशी अपने पिता की स्मृति में एक स्वर्ण पदक दिया। लॉ विभागाध्यक्ष मोना पुरोहित अपने पति स्वर्गीय के.के. शुक्ल की स्मृति में एक गोल्ड मेडल प्रदान किया।

### 15 सितंबर तक 216 फॉर्म मिले

यूनिवर्सिटी के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर तक दीक्षांत समारोह के लिए कुल 216 फॉर्म प्राप्त हुए थे। इनमें 96 यूजी-पीजी मेरिट, 85 पीएचडी, 21 यूजी-पीजी मेडल और 14 यूजी-पीजी डिग्री के फॉर्म शामिल हैं। हालांकि, समारोह में प्रदान की जाने वाली कुल डिग्री और मेडल की संख्या क्रमशः 85 पीएचडी उपाधि और 27 गोल्ड मेडल बताई गई है।

---

### हाईकोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर अंतरिम रोक हटाई

# शराब टेंडर में हुई मिलीभगत की जांच जारी रख सकेगा सीसीआई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमपी में देशी शराब की थोक सप्लाई के टेंडरों में डिस्टिलरीज के बीच मिलीभगत और टेंडर फिक्सिंग की जांच अब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग जारी रख सकेगा।

हाईकोर्ट जबलपुर ने एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड बेवरेजेस लिमिटेड समेत अन्य डिस्टिलरीज की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही सीसीआई की जांच पर लगी अंतरिम रोक भी हटा दी गई है। अब आयोग जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाकर अंतिम आदेश जारी कर सकेगा। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की पीठ ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। पूरा मामला भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की वर्ष 2016-17 की ऑडिट रिपोर्ट के बाद सामने आया था। रिपोर्ट में 2012-13 से 2016-17 के दौरान देशी शराब के सरकारी टेंडरों में अलग-अलग डिस्टिलरीज की बोलियों के बीच बेहद कम अंतर होने पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद सीसीआई ने वर्ष 2020 में मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान आबकारी विभाग के अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए और संबंधित डिस्टिलरीज के परिसरों की तलाशी ली गई। इस दौरान 'एमपी डिस्टिलर्स एसोसिएशन' नाम के वॉट्सऐप ग्रुप, ईमेल और अन्य डिजिटल सामग्री मिलने की बात सामने आई।

### विजय चौधरी ने राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में दर्ज की विजय

भोपाल। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व न्यायाधीश डॉ. विजय कुमार चौधरी ने मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में विजय हासिल की है। डॉ. चौधरी का मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद से लंबे समय से जुड़ाव रहा है। वे इससे पूर्व छह बार परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित हो चुके हैं तथा परिषद के चेयरमैन के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. चौधरी जिला अभिभाषक संघ, भोपाल के अध्यक्ष एवम् सचिव के रूप में भी दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। अन्य चुने गए सदस्यों में राकेश सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार सक्सेना, विवेक सिंह, आरके सिंह सैनी, नित्यानंद मिश्रा, संदीप मेहता, हितोष जय हरदा और नरेंद्र कुमार जैन शामिल हैं।

# भोपाल में ई-बसों का चौथा रूट बैरागढ़ से मंडीदीप तक, 10 इलेक्ट्रिक बसें और दौड़ीं, 40 हुई संख्या

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में इलेक्ट्रिक बसों के चौथे रूट- बैरागढ़ से मंडीदीप के बीच की शुक्रवार से शुरुआत हो गई। इस रूट पर 10 बसें दौड़ रही। इसके बाद ई-बसों की संख्या 40 हो गई है। 21 सितंबर से 5 और चलेंगी। फिलहाल 3 रूट पर बसें चलाई जा रही थी। इससे कोलार रोड, बावड़ियाकलां, बैरागढ़, एमपी और आईएसबीटी के बीच बेहतर कनेक्टिविटी हो गई। अब मंडीदीप तक बसें चलने से होशंगाबाद रोड की करीब 300 कॉलोनियां भी कवर हो जाएंगी। यहां से लोगों को एमपी नगर, रानी कमलापति और बैरागढ़ रेलवे स्टेशन, न्यू मार्केट समेत अन्य इलाकों में पहुंचने में आसानी होगी। नौकरीपेशा और स्टूडेंट्स को भी राहत मिलेगी।

### यह है नया रूट

रूट नंबर- एसआर8 है। इसमें बैरागढ़ ई-बस डिपो से बोर्ड ऑफिस चौराहा, मेट्रो स्टेशन होते हुए एचईजी मंडीदीप तक 33.6 किमी तक बसें चलेंगी। एमपी नगर, आईएसबीटी तक तो बसें आती थीं, लेकिन इसके बाद रानी कमलापति स्टेशन प्लेटफॉर्म नं-5, डीआरएम मेट्रो स्टेशन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, बागसेवनिया पुलिस स्टेशन, आशिमा मॉल, आरकेडीएफ, मिसरोद, 11 मील, इंडस टाउन, चिनार ड्रीम सिटी, आयशर/सतलापुर जोड़, एचईजी मंडीदीप तक कोई भी बस नहीं थी। वर्तमान में बसों में रोजाना औसत 10 हजार यात्री सफर कर रहे हैं। नए एसआर8 मार्ग पर कुल 15 नई बसें चलेंगी। इससे 5 हजार यात्रियों को फायदा मिलने का अनुमान है।

### अधिकतम किराया 40 रुपए तक

जानकारी के अनुसार जिन जगहों से बसें गुजर रही हैं, उनमें बैरागढ़, कोलार रोड, एमपी नगर, न्यू मार्केट, कोलार रोड, बावड़ियाकलां, सलैया, रोहित नगर, अशोका गार्डन, सुभाषनगर, कोहेफिज़ा, पीर गेट जैसे बड़े इलाके भी शामिल हैं। इनका न्यूनतम किराया 6 से 7 रुपए, जबकि अधिकतम 40 रुपए है।

---

**मेट्रो एंकर**

### मध्य प्रदेश में फाइलों का जंजाल खत्म होने के आसार

# नगर पालिका और परिषदों में एक क्लिक पर होगा काम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में अब फाइलें टेबल से टेबल घूमने के बजाय ऑनलाइन दौड़ेंगी। नगर निगमों के बाद अब छोटे नगरीय निकायों में भी ई-फाइल व्यवस्था लागू की जा रही है। इससे जनता को अपनी फाइल का स्टेटस जानने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, वहीं कागज और स्टेशनरी की खपत घटने से पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। इस व्यवस्था से हर महीने नगरीय निकायों को लाखों रुपये के स्टेशनरी की बचत का अनुमान है।

### एक क्लिक में पता चलेगा फाइल का स्टेटस

ई-फाइल व्यवस्था शुरू होने के बाद किसी आवेदन की फाइल किस अधिकारी या शाखा के पास है, यह ऑनलाइन देखा जा सकेगा। फाइल कितने दिन किस स्तर पर रुकी, कब आगे बढ़ी और किस अधिकारी के पास पहुंची, इसका डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होगा। इससे काम में देरी होने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

### 30 हजार से ज्यादा फाइलें होंगी ऑनलाइन

नगर पालिका और नगर परिषदों में करीब 30 हजार नई फाइलें ऑनलाइन तैयार की जा रही हैं। नागरिकों से मिलने वाले आवेदन और दस्तावेज पहले स्कैन किए जाएंगे, इसके बाद संबंधित ई-फाइल के साथ ऑनलाइन आगे भेजे जाएंगे। वहीं प्रदेश के 16 नगर निगमों में पहले से 4 लाख से ज्यादा फाइलों का ऑनलाइन मूवमेंट हो रहा है। अब इसी व्यवस्था का विस्तार छोटे नगरीय निकायों तक किया जा रहा है।

### प्रमाण पत्र से संपत्ति तक, कई काम होंगे डिजिटल

ई-फाइल व्यवस्था का दायरा रोजमर्रा की कई नागरिक सेवाओं तक रहेगा। इनमें जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, भवन अनुज्ञा, नामांतरण और संपत्ति से जुड़े मामलों की फाइलों को ऑनलाइन ट्रैक किया जा सकेगा। इससे आवेदन की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और फाइल गुम होने या लंबे समय तक लंबित रहने की समस्या पर भी निगरानी रखी जा सकेगी। नई व्यवस्था का सीधा फायदा आम लोगों को मिलेगा। वहीं, आवेदन की स्थिति जानने के लिए बार-बार कार्यालय जाने की जरूरत कम होगी। इसके साथ ही दस्तावेजों की बार-बार फोटोकापी कराने और कागजी फाइलों में रिकॉर्ड रखने की जरूरत घटेगी। कागज की खपत कम होने का पर्यावरणीय फायदा भी होगा।

# मेट्रो सुपरवाइजर से लूट, शीशे तोड़कर छीन लिए दो मोबाइल

## पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद पुलिस ने सुभाष नगर मेट्रो डिपो के पास कार सवार मेट्रो सुपरवाइजर और उसके साथियों पर हमला कर मोबाइल लूटने वाले पांच आरोपितों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने कार के शीशे डंडों से तोड़ दिए थे। विरोध करने पर युवकों से मारपीट की और चाकू दिखाकर दो मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटे गए दोनों मोबाइल, लोहे की छुरियां, तार कटर, प्लास, एक्स-रे ब्लेड और टूटा हुआ ताला बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आचार्य नरेंद्र देव नगर निवासी वीरेंद्र सिंह राजपूत मेट्रो में सुपरवाइजर हैं। 11 सितंबर की रात करीब 12:30 बजे वह बंटी अहिरवार और रोहित अहिरवार के साथ कार से सुभाष नगर मेट्रो डिपो के पास बैठे थे। इसी दौरान जिंसी की तरफ से ऑटो में दो-तीन युवक पहुंचे। उन्होंने कार को घेरकर गाली-गलौज शुरू कर दी और डंडों से कार के आगे व दाहिनी तरफ के शीशे तोड़ दिए। हमले में वीरेंद्र और बंटी घायल हो गए। इसके बाद बदमाशों ने रुपये मांगे। पैसे नहीं मिलने पर कार में रखे दो मोबाइल लेकर भाग गए।

## पर्यावरणविद् बोले-जलस्रोतों के साथ जलीय जीवों को नुकसान

# भोपाल में 25 करोड़ के विसर्जन घाट, 14 महीने बाद भी नहीं हो सके तैयार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

गणेश विसर्जन की स्थायी व्यवस्था के लिए भोपाल नगर निगम ने जुलाई 2025 में 25 करोड़ 8 लाख 55 हजार 101 रुपये का प्रस्ताव मंजूर किया था, लेकिन करीब 14 महीने बाद भी पांच प्रस्तावित स्थानों पर व्यवस्था पूरी नहीं हो सकी। पर्यावरणविद् सुभाष सी. पाण्डेय ने कहा कि जलस्रोतों में मूर्ति विसर्जन से पानी प्रदूषित होने के साथ जलीय जीवों को भी नुकसान पहुंचता है। आसपास के भूजल पर भी इसका असर पड़ सकता है। उनका कहना है कि भोपाल जैसे 25 से 28 लाख आबादी वाले शहर में कम से कम 40 से 50 अलग विसर्जन कुंड होने चाहिए। इस बार भी गणेश विसर्जन के लिए पुराने घाटों पर ही व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

नगर निगम के प्रस्ताव में शहर के चारों क्षेत्र बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, नीलबड़, संजीव नगर, मालीखेड़ी और प्रेमपुरा में विसर्जन कुंड और विकास कार्य होने थे। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के लिए 4.45 करोड़, नीलबड़ 6.01 करोड़, संजीव नगर 4.77 करोड़, मालीखेड़ी 2.49 करोड़ और प्रेमपुरा के लिए 7.34 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए थे। मालीखेड़ी में काम लगभग पूरा हो गया है लेकिन अन्य चार जगह पर अभी तक काम शुरू नहीं किया गया है जबकि जगह चिन्हित कर ली गई थी। पिछले साल भी नए घाट तैयार नहीं होने के कारण पुराने घाटों पर ही विसर्जन कराया गया था। उस समय समय कम होने की वजह बताई गई थी। अब एक साल और बीतने के बाद भी स्थिति नहीं बदली। इस बार निगम ने प्रेमपुरा, कमलापति और खटलापुरा घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं शुरू की हैं। बड़े घाटों पर क्रेन-पोकलेन और 24 घंटे गोताखोरों की व्यवस्था की जा रही है।

**जलस्रोतों में सीधे विसर्जन से प्रदूषण**

सुभाष सी. पाण्डेय के मुताबिक राष्ट्रीय हरित अधिकरण और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन के अनुसार मूर्ति विसर्जन पीने के पानी के जलस्रोतों में सीधे नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए अलग कुंड बनाए जाने चाहिए। कुंड में सिंथेटिक लाइनर बिछाने की व्यवस्था हो, ताकि विसर्जन के बाद मूर्ति के अवशेष बाहर निकालकर उचित तरीके से निपटाए जा सकें। उन्होंने कहा कि मूर्तियों में पीओपी के इस्तेमाल से बचना चाहिए और रासायनिक रंग व डाइज़ का उपयोग नहीं होना चाहिए। विसर्जन से पहले मूर्ति से आभूषण और वस्त्र निकालने चाहिए। उनके मुताबिक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2020 की गाइडलाइन के बावजूद स्थानीय स्तर पर इन व्यवस्थाओं का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा है।

### मछलियों और कछुओं की मौत का भी खतरा

पाण्डेय ने कहा कि विसर्जन से निकलने वाले अवशेष और रासायनिक पदार्थ जलस्रोतों की गुणवत्ता खराब कर सकते हैं। इसका असर पानी में रहने वाले जीव-जंतुओं पर पड़ता है। अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में मछलियों और कछुओं के मरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। जलस्रोत प्रदूषित होने से आसपास के भूजल पर भी असर पड़ सकता है और इसका प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य तक पहुंच सकता है।

### चारों तरफ कुंड हों तो घटेगा दबाव

उन्होंने बताया कि पहले शीतलदास की बगिया में गणेश, दुर्गा और ताजिया विसर्जन होता था। अब वहां यह व्यवस्था खत्म हो चुकी है। भदभदा घाट और शाहपुरा में अलग कुंड बनाए गए हैं, लेकिन इनकी व्यवस्था को लेकर भी सवाल हैं। पाण्डेय के अनुसार भोपाल में कम से कम 40 से 50 कुंड अलग-अलग क्षेत्रों में बनाए जाने चाहिए। इससे लोगों को दूर घाटों तक नहीं जाना पड़ेगा। यातायात और पुलिस व्यवस्था पर दबाव कम होगा और जलस्रोतों पर भी विसर्जन का बोझ घटेगा। 25 करोड़ से अधिक की योजना के बावजूद 14 महीने बाद भी स्थायी व्यवस्था पूरी नहीं हुई है। गणेश विसर्जन फिर पुराने घाटों पर होने जा रहा है, जबकि पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग और पर्याप्त विसर्जन कुंड की जरूरत लगातार बताई जा रही है।

---

## पीएम मोदी के जन्मदिन पर सीएम मोहन की सौगात, बोले

# 50 लाख परिवारों को मिलेगा जमीन का हक रामराज की भावना से हो रहा देश का निर्माण

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर उज्जैन में आयोजित भव्य दीपोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और जनकल्याणकारी योजनाओं को रेखांकित किया। शिप्रा नदी के रामघाट पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में देश के विकास और गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के लिए निरंतर काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रयासों की तुलना रामराज में किए जाने वाले लोककल्याणकारी कार्यों से की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत आराम की चिंता किए बिना देश की सेवा को प्राथमिकता दी। उनके अनुसार, गरीबों को आवास और निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने जैसी योजनाएं जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हैं।

**मध्यप्रदेश में निशुल्क रजिस्ट्री अभियान का उल्लेख-** डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण संपत्तियों के अभिलेख उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की पहल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में गांवों के उन परिवारों को संपत्ति का अधिकार दिलाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, जिनके मकान, खेत और खलिहान से संबंधित पट्टे हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में 50 लाख से अधिक लोगों को निशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है।

### दीपोत्सव से अंधकार दूर करने का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित दीपोत्सव का उद्देश्य समाज और लोगों के जीवन से अंधकार दूर करने का संदेश देना है। उन्होंने सनातन परंपरा के 'जियो और जीने दो' के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि मानवता और जनकल्याण की भावना को मजबूत किया जाना चाहिए। डॉ. यादव ने भारत की प्रगति और प्रधानमंत्री के कार्यकाल में हुए बदलावों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश निरंतर आगे बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री के प्रयासों को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

### नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री के प्रयासों को सराहा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में लाखों ग्रामीणों को जमीन का मालिकाना हक दिलाने का काम किया गया है। नबीन ने कहा कि स्वामित्व योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में की थी और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में इसे आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की आवास, उज्ज्वला और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए ग्रामीण और गरीब परिवारों के जीवन में आए बदलाव की बात कही।

### सांस्कृतिक विरासत और विकास पर जोर

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है। उन्होंने सनातन परंपराओं के संरक्षण और विकास कार्यों का उल्लेख किया। नबीन ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना के लिए उज्जैन में लाखों दीप जलाए जाने पर शहरवासियों का आभार व्यक्त किया।

### खंडेलवाल ने आयोजन के लिए दी बधाई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि उज्जैन में बड़ी संख्या में लोगों ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन और सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा और सतीश मालवीय सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शिप्रा तट पर आयोजित समारोह में दीपोत्सव और जनभागीदारी प्रमुख आकर्षण रहे।

---

## राहुल गांधी का मध्यप्रदेश को लेकर तंज, बोले-

# स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त, जनता दे रही फीडबैक

**इंदौर, दोपहर मेट्रो**

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार को इंदौर के दौरे पर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ट्वीट करके कहा है कि मध्यप्रदेश में छात्र, बच्चे, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़े या महिलाएं - हर वर्ग प्रताड़ित है, कोई खुश नहीं है। उन्होंने इंदौर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि मैं इंदौर आ रहा हूं और लगातार प्रदेश के छात्रों, युवाओं और आम लोगों से फीडबैक ले रहा हूं। सामने आ रही भयावह घटनाएं बता रही हैं कि मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था आज देश भर में सबसे ज्यादा बर्बाद है। इस पोस्ट में उन्होंने बालाघाट में कुपोषण और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की जान जाने के मामले को भी उठाया है। बालाघाट में 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की बीमारी, कुपोषण और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के बीच मौत हो चुकी है। संवेदनहीनता का आलम यह है मासूमों की मौतें होती रहीं, लेकिन कार्रवाई सुस्त रही, सरकार सोती रही। मुख्यमंत्री जी, दीये जलाने और उत्सव मनाने से फुर्सत मिल गई हो तो जरा राज्य की जमीनी हालत भी देखिए। बीमारी, पोषण और साफ पानी की कमी और चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था नन्हें बच्चों की जान ले रही है। मिलावटी दवाइयां और जहरीली अवैध शराब सैकड़ों परिवारों को तबाह कर रही हैं। मैं इंदौर आ रहा हूं और लगातार प्रदेश के छात्रों, युवाओं और आम लोगों से feedback ले रहा हूं। सामने आ रही भयावह घटनाएं बता रही हैं कि मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था आज देश भर में सबसे ज्यादा बर्बाद है। छात्र, बच्चे, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़े या महिलाएं - हर वर्ग प्रताड़ित है, कोई खुश नहीं। मध्य प्रदेश सरकार आज भारत की सबसे भ्रष्ट और सबसे कुशासित सरकार है - यही सच्चाई है।

### 30 से अधिक बच्चों की मौत, कई संक्रमित

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले (विशेषकर बिरसा विकासखंड के बैगा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों) में 30 से अधिक विशेष संरक्षित जनजातीय (बैगा) बच्चों की मौत और बड़ी संख्या में बच्चों के गंभीर रूप से बीमार होने का मामला सामने आया है। इस इलाके में बच्चों में गंभीर कुपोषण, खून की कमी (एनीमिया) और कम वजन की समस्या पहले से मौजूद थी। इसके साथ ही क्षेत्र में खसरा , मलेरिया, निमोनिया और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलीं। कमजोर और कुपोषित शरीर होने के कारण बच्चे इन संक्रमणों को झेल नहीं पाए।

---

## एमपी में टीईटी की तारीख बढ़ी

# अब 5 अक्टूबर तक आवेदन 1.5 लाख शिक्षकों पर असर दिसंबर में परीक्षा संभावित

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी के लिए आवेदन की समयसीमा बढ़ा दी गई है। अब शिक्षक 5 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। पहले अंतिम तारीख 18 सितंबर तय थी। इसके दिन पहले ही लोक शिक्षण संचालनालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों की बैठक में तारीख बढ़ाने का फैसला लिया गया। अब तक करीब 19,100 शिक्षक आवेदन कर चुके हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा की तारीख तय होगी। दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में परीक्षा कराए जाने की संभावना है।

स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के करीब डेढ़ लाख शिक्षक टीईटी के दायरे में हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने टीईटी कराने की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा मंडल को दी है। फिलहाल मंडल का फोकस यह तय करने पर है कि परीक्षा में कितने शिक्षक शामिल होंगे। टीईटी का आयोजन प्रदेश के सभी 55 जिला मुख्यालयों पर किया जाएगा। परीक्षा ऑफलाइन होगी। माशिमं कर्मचारी चयन मंडल की तर्ज पर परीक्षा की प्रक्रिया संचालित करेगा, लेकिन कर्मचारी चयन मंडल की ऑनलाइन परीक्षा के विपरीत टीईटी ऑफलाइन आयोजित की जाएगी।अधिकारियों के मुताबिक आवेदन पूरे होने के बाद अभ्यर्थियों की संख्या स्पष्ट होगी। इसके बाद परीक्षा केंद्र, प्रश्नपत्र और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी में करीब दो महीने लग सकते हैं। इसी वजह से दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में परीक्षा कराने की संभावना जताई जा रही है।

### केंद्र स्तर पर भी टीईटी व्यवस्था की समीक्षा

इधर, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों, शिक्षक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य संगठनों से मिले अभ्यावेदनों का संज्ञान लिया है। मंत्रालय मौजूदा टीईटी व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करेगा। इसमें सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश और टिप्पणियां भी शामिल होंगी ।समीक्षा में टीईटी की पात्रता और योग्यता, सेवारत शिक्षकों के लिए इसकी अनिवार्यता, परीक्षा नियमित अंतराल पर कराने, शिक्षकों को आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और संबंधित वैधानिक प्रावधानों में बदलाव की जरूरत जैसे मुद्दे शामिल हैं। राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, एनसीटीई, शिक्षा विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों से भी सुझाव लिए जाएंगे।

### टीईटी के साथ पदोन्नति और पदस्थापना का मुद्दा भी

शिक्षक संगठनों की ओर से पदोन्नति और पदस्थापना को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों के लिए पदोन्नति की प्रक्रिया स्पष्ट समय-सीमा में पूरी की जानी चाहिए। पदोन्नति पा चुके शिक्षकों के पदस्थापना आदेश जारी नहीं होने से भी असमंजस बना हुआ है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में ई-अटेंडेंस की नेटवर्क और तकनीकी दिक्कतों को दूर करने की मांग की जा रही है।

---

## जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का नया फरमान

# बिना परमिशन मिलने आए तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट से विभाग का कोई भी अधिकारी-कर्मचारी बिना अनुमति मिलने नहीं आएगा। यदि किसी के द्वारा ऐसा किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

विभाग के अधीक्षण यंत्री प्रशासन आशीष महाजन ने यह निर्देश सभी मुख्य अभियंता और परियोजना संचालकों को जारी किए।

**अधिकारियों को दिए गए निर्देश-** मैदानी अधिकारियों को दिए गए निर्देश में बताया गया कि विभागीय मंत्री की ओर से 15 सितंबर को पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें बिना अनुमति मिलने के लिए पहुंचने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर आपत्ति जताई गई। इसके बाद प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सभी मुख्य अभियंता और परियोजना संचालकों को निर्देश दिए गए कि अधीनस्थ कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को सूचित किया जाए कि कोई भी भविष्य में बिना अनुमति भेंट करने के लिए उपस्थित नहीं होगा।

**प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा भी लिख चुके हैं पत्र|** यदि इसकी पुनरावृत्ति होती है कि संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके पहले प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा भी मुख्य अभियंताओं को पत्र लिखकर प्रशासनिक नियंत्रण की बात कह चुके हैं। उन्होंने पत्र में कहा था कि अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय में नहीं रहते हैं।

---

## रीवा में प्रसूता की मौत पर आशीष तिवारी ने सरकार को घेरा

# न्याय की आवाज़ पर दमन लोकतंत्र पर करारा प्रहार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

रीवा में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उसके नवजात की मौत ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों ने उपचार में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए एफआईआर और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र में न्याय की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध करना स्वाभाविक और संवैधानिक अधिकार है। अनुच्छेद 14 समानता, अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति एवं शांतिपूर्ण सभा और अनुच्छेद 21 जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा का अधिकार देता है। ऐसे में न्याय मांग रहे परिवार की आवाज सुनने के बजाय उसे दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री संवेदनशील मुद्दे पर मौन खत्म करें और निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराकर मौत का सच सामने लाएं , दोषियों की जिम्मेदारी तय करे और परिवार को न्याय दे। जनता की आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होते। जवाबदेही और न्याय से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। तिवारी ने कहा यदि भाजपा सरकार और स्वास्थ्य मंत्री दमनकारी रुख से न्याय की आवाज को दबाने का काम करेंगे तो कांग्रेस पार्टी शोषित,पीड़ित,वंचित और असहाय वर्ग की आवाज राहुल गांधी के नेतृत्व में सड़क से सदन तक बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी ।

---

**मेट्रो एंकर**

## युद्ध का असर बरगी बांध तक, 225 करोड़ की राशि भी पड़ी कम

# महंगी धातुओं ने अटकाया पावर यूनिट का आधुनिकीकरण

- कंपनियों ने मशीनरी की लागत बढ़ाने की मांग रखी
- बीओडी में होगा अंतिम फैसला

**जबलपुर, दोपहर मेट्रो**

पश्चिम एशिया में युद्ध और इसके चलते धातुओं की कीमतों में आए उछाल का असर अब बरगी बांध की जल विद्युत परियोजना के आधुनिकीकरण पर भी दिखाई देने लगा है। करीब 40 साल पुरानी हो चुकी बरगी बांध की दोनों जल विद्युत इकाइयों के टरबाइन और जनरेटर बदलने की योजना मशीनरी की बढ़ी लागत के कारण अटक गई है। कंपनियों ने मौजूदा टेंडर राशि को बढ़ाने की मांग की है। अब इस पर मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (बीओडी) में निर्णय होना है।

बरगी बांध की जल विद्युत परियोजना में 45-45 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां हैं। लंबे समय से संचालन के कारण इनकी उत्पादन क्षमता और दक्षता प्रभावित हो रही है। बिजली उत्पादन से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार जल विद्युत संयंत्रों में टरबाइन और जनरेटर की औसत उपयोगी उम्र करीब 35 साल मानी जाती है, जबकि बरगी की दोनों इकाइयां करीब 40 साल पुरानी हो चुकी हैं। ऐसे में इनके आधुनिकीकरण की जरूरत महसूस की जा रही है। इसी उद्देश्य से मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने पिछले साल दोनों इकाइयों के टरबाइन और जनरेटर बदलने के लिए करीब 225 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया था। टेंडर प्रक्रिया में शामिल कंपनियों ने मशीनरी निर्माण में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न धातुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला दिया है। कंपनियों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में निर्धारित राशि में नई मशीनरी की आपूर्ति करना मुश्किल है। इसके चलते टेंडर की लागत बढ़ाकर करीब 250 करोड़ रुपये किए जाने का आग्रह किया गया है। अब बिजली कंपनी के स्तर पर टेंडर राशि में संभावित बढ़ोतरी को लेकर प्रक्रिया चल रही है। अंतिम निर्णय कंपनी की बीओडी में लिया जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद आधुनिकीकरण का काम आगे बढ़ सकेगा।

### दो-दो मेगावाट बढ़ेगी क्षमता

आधुनिकीकरण के बाद बरगी बांध की दोनों जल विद्युत इकाइयों की क्षमता में भी बढ़ोतरी प्रस्तावित है। प्रत्येक इकाई की क्षमता 2 मेगावाट बढ़कर 47 मेगावाट हो जाएगी। इस तरह दोनों इकाइयों की संयुक्त क्षमता 94 मेगावाट हो जाएगी। इससे पुरानी मशीनरी की जगह आधुनिक टरबाइन और जनरेटर लगाए जाने के साथ परियोजना की उत्पादन क्षमता और संचालन दक्षता में सुधार की उम्मीद है।

## महंगाई की बढ़ती आंच

महंगाई को अर्थशास्त्र प्रतिशत और सूचकांक में मापता है, लेकिन आम आदमी इसका हिसाब रसोई में करता है। आटा, दाल, चावल, तेल, सब्जी और दूध की कीमतें जब घरेलू बजट से बाहर होने लगती हैं, तब किसी आंकड़े की जरूरत नहीं पड़ती। खाली होती जेब और सिकुड़ती थाली महंगाई की असली तस्वीर सामने रख देती है। अगस्त की महंगाई के आंकड़ों ने कीमतों के दबाव को फिर चर्चा में ला दिया है। खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें खास चिंता का विषय हैं। त्योहारों का मौसम सामने है। इस दौरान मांग बढ़ने के साथ आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। जिन परिवारों के लिए त्योहार अतिरिक्त खर्च का समय होता है, उनके लिए महंगाई इस खुशी को बोझ में बदल सकती है। महंगाई की कहानी केवल बाजार तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित किया है। होर्मुज और बाब-अल-मंदेब जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को लेकर जारी तनाव वैश्विक तेल बाजार के लिए चुनौती बना हुआ है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने का असर देश की अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है। ईंधन महंगा होता है तो परिवहन महंगा होता है। माल ढुलाई बढ़ती है और उसका असर धीरे-धीरे सब्जियों, अनाज और दूसरी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में दिखाई देता है। इसीलिए पेट्रोल-डीजल की कीमत को केवल वाहन चलाने की लागत समझना भूल होगी। इसका संबंध हर घर के मासिक बजट से है। महंगाई का सबसे बड़ा असर उन परिवारों पर पड़ता है जिनकी आय सीमित है। गरीब के लिए भोजन और जरूरी जरूरतों का खर्च चुनौती बनता है, जबकि मध्यम वर्ग की बचत और भविष्य की योजनाएं प्रभावित होती हैं। आय बढ़े बिना खर्च बढ़ता रहे तो आर्थिक विकास का लाभ कागज पर भले दिखाई दे, घर की अर्थव्यवस्था में नहीं। सस्ता राशन जरूरतमंदों को तत्काल राहत दे सकता है, लेकिन गरीबी और महंगाई का स्थायी समाधान केवल राहत योजनाओं में नहीं है। इसके लिए रोजगार, आय और उत्पादन के अवसर बढ़ाने होंगे। विकास का अर्थ केवल अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना नहीं है। उसकी असली कसौटी यह है कि आम आदमी की थाली भरी रहे, जेब पर अनावश्यक बोझ न बढ़े और भविष्य के लिए कुछ बचा भी सके।

# शंकर शाह - रघुनाथ शाह का बलिदान, अधिकार के लिए संघर्ष की ऐतिहासिक विरासत

राज कुमार सिन्हा
स्तंभकार

देश की स्वतंत्रता के लिए आदिवासी नेताओं द्वारा किए गए बलिदानों का एक क्रांतिकारी इतिहास रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल बड़े शहरों, राजधानियों और राजनीतिक नेतृत्व के संघर्ष का इतिहास नहीं है, बल्कि यह उन जंगलों, पहाड़ों और गांवों में लड़ी गई उन असंख्य लड़ाइयों का भी इतिहास है, जिनमें आदिवासी समुदायों ने अपनी जमीन, जंगल, संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आदिवासी समाज ने औपनिवेशिक शासन को केवल राजनीतिक सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पारंपरिक जीवन-पद्धति, सामुदायिक संसाधनों और स्वायत्तता पर हमले के रूप में देखा और उसका प्रतिरोध किया। इस दृष्टि से आदिवासी सेनानियों का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में केवल वीरता की घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे जल-जंगल-जमीन, सामुदायिक स्वायत्तता और सम्मान के अधिकार के लिए संघर्ष की ऐतिहासिक विरासत है। उनका महत्व इसलिए भी अधिक है कि उन्होंने उस दौर में संघर्ष किया, जब आधुनिक राजनीतिक संस्थाओं, संचार माध्यमों और संगठित आंदोलनों के संसाधन उनके पास नहीं थे। इसके बावजूद उन्होंने स्थानीय समाज को संगठित किया और औपनिवेशिक सत्ता की जड़ें चुनौती दी। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह गोंडवाना साम्राज्य के जबलपुर क्षेत्र के महान शासक और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी थे। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र रघुनाथ शाह ने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध बगावत की योजना बनाई। उन्होंने अंग्रेजों की बटालियन को चुनौती देने के लिए स्थानीय सैनिकों और जनता को संगठित किया।

अंग्रेजों को जब उनकी गुप्त योजना का पता चला, तो उन्हें 14 सितंबर 1857 को गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटिश अधिकारियों ने उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया और 18 सितंबर 1857 को जबलपुर के मालगोदाम चौक पर दोनों पिता-पुत्र को तोप के मुंह से बांधकर उड़ा दिया गया। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान न केवल गोंडवाना के इतिहास में, बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखता है। उनका संघर्ष और बलिदान यह बताता है कि औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध प्रतिरोध देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूपों में चल रहा था। आदिवासी समाज ने भी स्वतंत्रता को अपने जीवन, भूमि और सामुदायिक अधिकारों से जोड़कर देखा था। उनकी शहादत का ऐतिहासिक मूल्य केवल इस बात में नहीं है कि उन्होंने अंग्रेजी शासन का विरोध किया, बल्कि इस बात में भी है कि उन्होंने स्वाधीनता को आत्मसम्मान और अपने समाज की स्वतंत्र सामाजिक व्यवस्था की रक्षा के रूप में समझा। इसलिए उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की व्यापक और बहुस्तरीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका यह त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। उनकी शहादत की याद में हर साल 18 सितंबर को मध्य प्रदेश और देश भर में उनका बलिदान दिवस मनाया जाता है। दूसरी ओर शंकर शाह की विधवा रानी फूलकुंवर भी शत्रु फिरंगियों से बदला लेने का संकल्प कर मंडला आ गई। उन्होंने सेना को एकजुट कर फिरंगियों के विरुद्ध आमरण संघर्ष छेड़ दिया और अंततः आत्मोत्सर्ग किया। रानी फूलकुंवर का संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी प्रतिरोध केवल पुरुष योद्धाओं तक सीमित नहीं था। आदिवासी महिलाओं ने भी औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने जीवन का बलिदान दिया।

उसी परंपरा को जवाहर सिंह बुंदेला, मधुकर शाह, ढिल्लों शाह, शिवेंद्र शाह, हिरेंद्र शाह, हिम्मत सिंह गोंड और भाव सिंह गोंड जैसे कई नायकों ने आगे बढ़ाया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों का नेतृत्व किया और स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाया था। इन सभी संघर्षों को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की मुख्यधारा के इतिहास में पर्याप्त स्थान मिलना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इनके बिना स्वतंत्रता संघर्ष की वास्तविक सामाजिक और भौगोलिक व्यापकता अधूरी रह जाती है। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मूल्य यह है कि उन्होंने औपनिवेशिक शासन की उस व्यवस्था को चुनौती दी, जिसने प्राकृतिक संसाधनों और भूमि पर राज्य का नियंत्रण बढ़ाया और सदियों से चले आ रहे सामुदायिक अधिकारों को कमजोर किया। जंगल उनके लिए केवल लकड़ी या राजस्व का स्रोत नहीं था, वह उनकी अर्थव्यवस्था, संस्कृति, आस्था, सामाजिक व्यवस्था और जीवन का आधार था। इसलिए आदिवासी विद्रोहों को केवल स्थानीय या सीमित विद्रोह मानना उनके ऐतिहासिक महत्व को कम करना होगा। ये संघर्ष औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध स्वाधिकार और स्वायत्तता के व्यापक प्रतिरोध का हिस्सा थे। उनकी शहादत यह सवाल भी सामने रखती है कि आजादी का अर्थ केवल विदेशी शासन का अंत नहीं, बल्कि उन समुदायों के अधिकारों और गरिमा की बहाली भी होना चाहिए, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ी कीमत चुकाई। आजादी के बाद संविधान सभा में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व बेहद सीमित रहा था। उनके पारंपरिक अधिकारों की बहाली की जगह उन्हें केवल आरक्षण और कुछ प्रशासनिक छूट दी गई। औपनिवेशिक कानून, विशेषकर भूमि और वन संबंधी, लगभग जस के तस जारी रहे, जिससे आदिवासी अपनी ही पुरखों की जमीन पर 'अतिक्रमणकारी' हो गए। यहीं आदिवासी बलिदान की ऐतिहासिक विरासत और स्वतंत्र भारत की वास्तविकता के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है।

विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की लूट और पर्यावरणीय विनाश उनके पारिस्थितिकी-आधारित जीवन को लगातार खतरे में डाला जा रहा है। ऐसे समय में राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, रानी फूलकुंवर और उन तमाम आदिवासी नायकों की स्मृति का अर्थ केवल उन्हें श्रद्धांजलि देना नहीं है। उनकी विरासत हमें यह याद दिलाती है कि स्वतंत्रता का संघर्ष सत्ता परिवर्तन भर नहीं था, वह सम्मान, स्वायत्तता, संसाधनों पर अधिकार और अपने तरीके से जीवन जीने के अधिकार का भी संघर्ष था। इसलिए आदिवासी बलिदान का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की परिधि का इतिहास नहीं, बल्कि उसके व्यापक जनाधार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन सेनानियों की शहादत को इतिहास में उचित स्थान देना केवल अतीत के साथ न्याय करना नहीं, बल्कि वर्तमान में आदिवासी समाज के अधिकारों, गरिमा और अस्तित्व के प्रश्न को समझने की भी एक जरूरी कड़ी है। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह की शहादत से लेकर आज के आदिवासी अधिकार आंदोलनों तक संघर्ष की यह परंपरा हमें बताती है कि जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा की लड़ाई किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं रही है। यह संघर्ष इतिहास की निरंतर धारा है और आदिवासी बलिदान उसकी सबसे महत्वपूर्ण स्मृतियों में से एक है।

***-यह लेखक के अपने विचार हैं।***

# न्याय का इंतज़ार... कछुआ की गति से भी धीमी है देश की अदालतों की चाल

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

दुनिया की अदालतों में लंबित मुकदमों की कुल तादाद से अधिक तादाद हमारे इकलौते देश भारत में लंबित मुकदमों की है। हालत यह है कि लाखों लोगों को अपने जीवन में अदालत में लंबित मुकदमे का फैसला नहीं मिल पाता है हालांकि देश में कानून का संविधान का शासन है लेकिन यह कैसी कानून व्यवस्था है जिसमें न्याय पाने की लालसा में जिन्दगी बीत जाती है लेकिन न्याय नहीं मिलता है।और ऐसी लेटलतीफी भरी कानून व्यवस्था में कैसे किसी का विश्वास बना रह सकता है? देश में बढ़ती अराजकता भ्रष्टाचार और अपराध के लिए यही न्याय व्यवस्था जिम्मेदार है क्योंकि अपराधी को पता है कि अदालत की सुनवाई में दशकों बीत जाते हैं और तब तक गवाह को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर पक्षद्रोही कर लिया जाएगा और अपराधी बाईज्जत बरी होने में सफल हो जाता है। यही वजह है कि देश में दोषसिद्धी (कनविकशन) की दर बहुत कम सिर्फ 54 फीसद है. कहा जाता है कि देर से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. लेकिन देश की अदालती प्रक्रिया इस तरह जटिल और दुरूह है कि लोग अदालतों के चक्कर लगाते जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं और जब अदालत से न्याय मिलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। भारत की अदालतों में इस समय लगभग 5.86 करोड़ से अधिक मामले लंबित (पेंडिंग) हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश भर में लगभग 5.86 करोड़ मामले अटके हुए हैं। जिला व निचली अदालतों में सबसे अधिक करीब 5.2 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 64.97 लाख मामले लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95,000 मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी होना भी है। देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं, जबकि विधि आयोग ने 50 जजों की सिफारिश की थी। सरकार खुद बड़ी वादी है कुल लंबित मामलों में से लगभग 50% मामलों में सरकार खुद एक पक्ष या वादी है। भूमि और संपत्ति विवादः लगभग 20% मामले जमीन और संपत्ति के विवादों से जुड़े हैं।प्रक्रियागत देरी भी एक बड़ी समस्या है। बार-बार तारीखें लेना, कागजी कार्रवाई में देरी और पुराने तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है। आज देश में पीड़ितों को न्याय के इंतजार में वर्षों लग रहे हैं और अदालतों में जारी तारीख पर तारीख के गलत रवैये के चलते मुकद्दमों के लटकते चले जाने के कारण न्याय की प्रतीक्षा में ही लोगों की पूरी जिंदगी बीत रही है ऐसी ही चंद घटनाओं से आपको रूबरू कराते हैं 4 फरवरी को गुजरात हाई कोर्ट ने नवम्बर, 1996 से लटकते आ रहे 30 वर्ष पुराने एक मामले में पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति को एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपयों की रिश्वत लेने के आरोप में बाइज्जत बरी कर दिया। वर्ष 2004 में निचली अदालत ने उसे 4 वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके कारण बाबूभाई प्रजापति की नौकरी और पैंशन सब चली गई। बाबूभाई प्रजापति ने उक्त फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। बरी होने के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील से कहा था, मेरे जीवन से यह कलंक मिट गया, अब यदि भगवान मुझे उठा भी लें तो कोई दुख नहीं। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि फैसला आने के अगले ही दिन 5 फरवरी, 2026 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। 5 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भारी कमियों के दृष्टिगत संदेह का लाभ देते हुए 2 इंजीनियरों वी. के. दत्ता और दिनेश गर्ग को 35 वर्ष पूर्व 20 सितम्बर, 1991 को उन पर लगे 1,800 रुपए रिश्वत मांगने के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग को साबित करने में नाकाम रहा है। निचली अदालत ने वर्ष 2002 में इन्हें 2 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। 1 जुलाई को लखनऊ की सी.बी.आई. अदालत ने लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की 8 अगस्त, 2002 को हत्या के लगभग 23 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान अन्य आरोपी मन्नालाल, वेद प्रकाश व छोटेलाल मर चुके हैं। 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1996 के 30 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए गुजरात सरकार के 2 कर्मचारियों (1 क्लर्क और 1 चपरासी) को बरी कर दिया क्योंकि उन पर अभियोग पक्ष अपना आरोप सिद्ध न कर सका। इन दोनों पर एक छात्र को वजीफे के लिए आय प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में 20 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था और निचली अदालत ने उन्हें एक वर्ष की सजा सुनाई थी।

बिना किसी संदेह के, भारतीय अदालतों में मामलों की भारी तादाद में लंबित मामले न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5.4 करोड़ (54 मिलियन) से अधिक हो चुकी है, जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 80% की भारी वृद्धि देखी गई है।इन लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 85% से अधिक) निचली या अधीनस्थ अदालतों में है, वहीं, सर्वोच्च न्यायालय में भी लगभग 85,000 मामले लंबित हैं। । स्वीकृत पदों का खाली होनाअदालतों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में से एक बड़ी संख्या खाली पड़ी रहती है। निचली अदालतों में हजारों पद और उच्च न्यायालयों में सैकड़ों पद लंबे समय से रिक्त हैं क्योंकि भर्ती और नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। बुनियादी ढांचे या निचली अदालतों में कोर्ट हॉल, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं) और सहायक कर्मचारियों (जैसे आशुलिपिक और क्लर्क) की भारी कमी है, जिससे दैनिक सुनवाई की गति धीमी हो जाती है। अंतर-विभागीय विवादों और अनावश्यक अपीलों के कारण अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है। प्रक्रियात्मक कमियां और स्थगन अदालती प्रक्रियाओं में बार-बार मिलने वाली तारीखें , बार-बार की जाने वाली अपीलें, और मुकदमों के प्रबंधन की कुशल प्रणाली न होना मामले को सालों-साल खींचता है। वैकल्पिक विवाद समाधान का कम उपयोगमध्यस्थता सुलह और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों का देश में अभी भी उतना प्रभावी और व्यापक उपयोग नहीं हो पा रहा है जितना होना चाहिए ताकि छोटे मामलों को कोर्ट से बाहर ही सुलझाया जा सके। सुधार के प्रयासःइस संकट से निपटने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष बेंचों का गठन करने जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही, सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

***-यह लेखक के अपने विचार हैं।***

**हेल्थ अपडेट**

# बॉडी डिटॉक्स करने का अच्छा साधन हो सकता है सुबह का धनिया ड्रिंक

**सुबह** उठकर खाली पेट कुछ हेल्दी चीज पीने का ट्रेंड काफी समय से लोगों के बीच लोकप्रिय है। लेमन वाटर, जीरा वाटर, और अब धनिया का पानी भी इसी सेहतमंद ट्रेंड का हिस्सा बन गया है। धनिया आसानी से घर में उपलब्ध होता है और इसे पारंपरिक खान-पान में लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है। डॉ. मुरलीधर आर. बल्लाल (एसोसिएट प्रोफेसर एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद) बताते हैं कि आयुर्वेदिक और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में धनिया का इस्तेमाल पाचन से जुड़ी परेशानियों सहित कई समस्याओं में किया जाता रहा है।

धनिया का पानी शरीर की बाहरी रक्त वाहिकाओं को आराम देकर शरीर की अतिरिक्त मेटाबोलिक गर्मी को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए, यह उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है जिन्हें सुबह के समय पेट में जलन, हाइपरएसिडिटी या तनाव के कारण अचानक गर्मी महसूस होने जैसी समस्याएं होती हैं। धनिया के पानी को शरीर के अंदर तापमान को नियंत्रित करने वाले एक हल्के थर्मोस्टेट की तरह समझें। अगर कॉफी आपके शरीर की आंतरिक ऊर्जा को एक्टिवेट करती है, तो धनिया एक ठंडी और स्थिर करने वाली फुहार की तरह है जो शरीर में सूजन या जलन शुरू होने से पहले ही उसे शांत कर देती है। धनिया के बीज (कोरिएंड्रम सैटिवम) सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने वाली चीज नहीं हैं; जब धनिया के बीज को पीसकर भिगोया जाता है, तो उनकी बाहरी परत नरम हो जाती है और धीरे-धीरे कई तरह के पोषक तत्व सीधे पानी में घुल जाते हैं, आगे जानते हैं धनिये से क्या पोषक तत्व मिलते हैं।

धनिया में पाए जाने वाले पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और आयरन की प्राकृतिक मात्रा, शरीर के लिए जरूरी कम मात्रा वाले तत्व (ट्रेस एलिमेंट्स) भी प्रदान करती है। साथ ही, अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालने में मदद करती है। मॉडर्न गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के नजरिए से, धनिया का पानी एक बहुत असरदार कार्मिनेटिव (पेट की गैस और ऐंठन कम करने वाला) की तरह काम करता है।

## निशाना

**बेवफ़ा यार की ख़ुशी ये मेरे सुखों को निगल रही है**

**प्रदीप कश्यप**

सुखो की उम्मीद पल रही है।
ये दुख की हालत बदल रही
ले रोशनी आ गया है सूरज।
अंधेरी फिर रात ढल रही है।
उदास ख़ामोश लोग हैं सब।
कमी मेरी खूब खल रही है।
बेवफ़ा यार की ख़ुशी ये।
मेरे सुखों को निगल रही है।
अंधेरा उसने ही तो हटाया।
लौ जो ये दीपक की जल रही है।
मिलन की आई है रात फिर से।
उमंग दिल में मचल रही है।
पहाड़ कश्यप जो छोड़ आई।
नदी वो गिर कर उछल रही है।

**टेक्नो - अपडेट**

# ईयरबड्स अब सुनेंगे बातें, खुद बनाएंगे नोट्स और देंगे जवाब

**ईयरबड्स** अब सिर्फ संगीत सुनने या फोन पर बातचीत करने तक सीमित नहीं रह गए हैं। टेक्नोलॉजी की दुनिया में अब ऐसे स्मार्ट ईयरबड्स सामने आ रहे हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सीधे पहनने वाले डिवाइस का हिस्सा बनाया गया है। IFA 2026 में पेश किया गया Plaud One इसी दिशा में नया प्रयोग है। इसे कंपनी ने ऐसे AI वियरेबल के तौर पर पेश किया है, जो बातचीत को समझने, उसका सार तैयार करने और जरूरत के मुताबिक यूजर की मदद करने में सक्षम है।

इस डिवाइस की खासियत यह है कि AI केवल मोबाइल फोन के अंदर मौजूद ऐप तक सीमित नहीं रहता। ईयरबड्स के जरिए यूजर उससे बातचीत कर सकता है और रोजमर्रा के कामों में सहायता ले सकता है। कंपनी के अनुसार Plaud One में फुल-कॉन्टेक्स्ट AI एजेंट दिया गया है, जो दिनभर की गतिविधियों से जुड़े संदर्भ को समझकर जवाब देने के लिए डिजाइन किया गया है। यानी मीटिंग, बातचीत या किसी चर्चा के बाद महत्वपूर्ण बातों को याद रखने और उनका सार तैयार करने का काम आसान हो सकता है।

**मीटिंग से लेकर रोजमर्रा के काम तक:** AI नोट लेने वाली तकनीक पिछले कुछ समय से तेजी से लोकप्रिय हुई है। लेकिन अब इसे अलग रिकॉर्डर या फोन पर चलने वाले ऐप से निकालकर ईयरबड्स जैसे रोज इस्तेमाल होने वाले डिवाइस में लाने की कोशिश हो रही है। Plaud One का इस्तेमाल मीटिंग में हुई बातचीत को कैप्चर करने और बाद में उसका सार तैयार करने जैसे कामों में किया जा सकता है। इससे पत्रकार, विद्यार्थी, कारोबारी और ऐसे लोग जिन्हें लगातार मीटिंग में शामिल होना पड़ता है, लाभ उठा सकते हैं।

ईयरबड्स में eSIM का भी इस्तेमाल इस डिवाइस की एक और खासियत eSIM सपोर्ट है। इससे यह लगातार कनेक्टेड रहकर AI सुविधाओं को अपडेट रखने के लिए डिजाइन किया गया है। यानी हर काम के लिए फोन पर निर्भरता कम करने की दिशा में यह कदम है। हालांकि ऐसे AI वियरेबल के साथ निजता सबसे महत्वपूर्ण सवाल भी है। किसी बातचीत को रिकॉर्ड करने या उसका विश्लेषण करने से पहले सामने मौजूद लोगों की अनुमति और स्थानीय कानूनों का ध्यान रखना जरूरी होगा। साथ ही यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि द्वारा तैयार किया गया सार कितना सही है और संवेदनशील बातचीत का डेटा किस तरह सुरक्षित रखा जाता है।

**अजब - गजब**

# दो साल से नेटवर्क नहीं आया, ग्रामीणों ने टावर पर ही तकनीशियन को बांध दिया

**उत्तर** प्रदेश के फतेहपुर जिले के हरदौली गांव में मोबाइल नेटवर्क की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने ऐसा कदम उठाया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। 10 सितंबर की शाम नेटवर्क की समस्या देखने पहुंचे एक टेलीकॉम तकनीशियन को ग्रामीणों ने कथित तौर पर पकड़ लिया और मोबाइल टावर से बांध दिया। करीब दो घंटे तक वह ग्रामीणों के बीच बंधा रहा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

ग्रामीणों का कहना था कि गांव में करीब दो साल से मोबाइल नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। गांव में निजी टेलीकॉम कंपनी का टावर लगाए जाने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि कॉल और इंटरनेट की परेशानी खत्म हो जाएगी, लेकिन उनका दावा है कि स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। कई ग्रामीणों ने शिकायत की कि 5जी सेवा के लिए रिचार्ज कराने के बावजूद उन्हें ठीक से नेटवर्क नहीं मिल रहा था। इससे फोन कॉल, इंटरनेट और ऑनलाइन काम प्रभावित हो रहे थे।

**टावर लगा, फिर भी सिग्नल का इंतजार:** घटना वाले दिन तकनीशियन आदित्य भान सिंह टावर की बिजली आपूर्ति और तकनीकी स्थिति देखने हरदौली पहुंचे थे। ग्रामीणों ने उन्हें नेटवर्क की समस्या को लेकर घेर लिया। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि कुछ लोगों ने उन्हें बंधक बनाकर टावर से बांध दिया। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक कंपनी के बड़े अधिकारी गांव में आकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं करते, तब तक तकनीशियन को नहीं छोड़ा जाएगा। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तकनीशियन को मुक्त कराया। उनकी शिकायत पर बिंदकी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में छह लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई।

**मामले में आया चौंकाने वाला पहलू:** घटना की जांच के दौरान एक और दावा सामने आया। कुछ रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि तकनीशियन ने खुद ग्रामीणों से उसे बांधने का सुझाव दिया था, ताकि कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों तक लंबे समय से चली आ रही नेटवर्क समस्या की बात मजबूती से पहुंचे। हालांकि यह बात सभी रिपोर्टों में एक जैसी नहीं है और पुलिस की जांच में इसका पूरा तथ्य सामने आना बाकी है। इसलिए इसे फिलहाल एक रिपोर्टेड दावे के रूप में ही देखा जा रहा है। घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की उपयोगिता और खराब कनेक्टिविटी से होने वाली परेशानियों को भी सामने ला दिया है।

### घास के मैदान और अनुकूल माहौल बना रहे भारतीय ग्रे वुल्फ का सुरक्षित आशियाना

# 51 साल से नौरादेही में कायम भेड़ियों का प्राकृतिक संसार

तेंदूखेड़ा/दमोह। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के दमोह, सागर और नरसिंहपुर जिलों की सीमाओं तक फैला वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) भारतीय ग्रे वुल्फ के प्राकृतिक आवास के रूप में खास पहचान रखता है। यहां करीब 51 वर्षों से भेड़ियों का अस्तित्व बना हुआ है। देश के कई हिस्सों में प्राकृतिक आवास सिमटने के बीच नौरादेही में इनके लिए अनुकूल परिस्थितियां अब भी कायम हैं।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई), जबलपुर की टीम रिजर्व में भारतीय भेड़ियों पर शोध कर रही है। इसमें उनके रहन-सहन, आवास, खान-पान और व्यवहार का अध्ययन किया जा रहा है। रिजर्व प्रबंधन को उम्मीद है कि 2026 के अखिल भारतीय बाघ आकलन के दौरान लगाए गए ट्रैप

### एसएफआरआई कर रहा रहन-सहन, खान-पान पर शोध

कैमरों से भेड़ियों की संख्या के भी सटीक आंकड़े सामने आएंगे।

वर्ष 1975 में स्थापित नौरादेही अभयारण्य में वर्ष 2018 की बाघ पुनर्स्थापना परियोजना के बाद बाघों की संख्या बढ़ी है। वर्तमान में यहां करीब 30 बाघ बताए जा रहे हैं। सितंबर 2023 में इसे टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला। हालांकि, इससे पहले भी नौरादेही की पहचान भारतीय भेड़ियों के प्रमुख आवास के तौर पर रही है।

रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रजनीश सिंह के अनुसार, गांवों के विस्थापन के बाद खाली हुई जमीन प्राकृतिक घास के मैदानों में बदल रही है। ये मैदान भेड़ियों के लिए बेहतर आवास और भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। नई रिपोर्ट में संख्या बढ़ने की पुष्टि होती है तो यह बुंदेलखंड की जैव विविधता संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

### 1975 से संरक्षण की कहानी

## अभयारण्य से टाइगर रिजर्व तक बदली पहचान, भेड़िये अब भी खास पहचान

**नौरादेही अभयारण्य** की स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। वर्ष 2018 में यहां बाघ पुनर्स्थापना परियोजना शुरू की गई, जिसके बाद बाघों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई। वर्तमान में रिजर्व में करीब 30 बाघ मौजूद बताए जाते हैं। सितंबर 2023 में नौरादेही को आधिकारिक तौर पर टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला और इसका नाम वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व रखा गया। बाघों की बढ़ती संख्या के बीच क्षेत्र की पुरानी पहचान भारतीय ग्रे वुल्फ के प्राकृतिक आवास के रूप में भी बनी हुई है। दमोह, सागर और नरसिंहपुर तक फैला यह क्षेत्र बुंदेलखंड की जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है।

### रहन-सहन से लेकर भोजन व्यवहार तक का अध्ययन

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में भारतीय ग्रे वुल्फ को लेकर राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई), जबलपुर शोध कर रहा है। वैज्ञानिक इनके रहन-सहन, प्राकृतिक आवास, खान-पान और व्यवहार को समझने का प्रयास कर रहे हैं। अध्ययन का उद्देश्य भेड़ियों के लिए अनुकूल परिस्थितियों और उनके संरक्षण की संभावनाओं को बेहतर तरीके से समझना है। रिजर्व में कैमरा ट्रैप के जरिए वन्यजीवों की निगरानी भी की जा रही है। 2026 के अखिल भारतीय बाघ आकलन के दौरान लगाए गए ट्रैप कैमरों से मिले रिकॉर्ड में भेड़ियों की तस्वीरें और गतिविधियां दर्ज होने की उम्मीद है। इन आंकड़ों के विश्लेषण के बाद क्षेत्र में उनकी वास्तविक संख्या को लेकर अधिक स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकती है।

### भेड़ियों के लिए तैयार हुआ प्राकृतिक भोजन, आवास

नौरादेही क्षेत्र में कई गांवों के विस्थापन के बाद खाली हुई जमीन धीरे-धीरे प्राकृतिक घास के मैदानों में बदल रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे खुले घास क्षेत्र भारतीय ग्रे वुल्फ के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास माने जाते हैं। यहां उन्हें विचरण के लिए पर्याप्त जगह के साथ भोजन की उपलब्धता भी मिलती है। यही वजह है कि नौरादेही में भेड़ियों का प्राकृतिक संसार लंबे समय से कायम है। देश के कई क्षेत्रों में इनके आवास पर दबाव बढ़ने के बावजूद इस इलाके में परिस्थितियां इनके अनुकूल बनी हुई हैं। रिजर्व प्रबंधन भी इन बदलते प्राकृतिक आवासों और वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहा है।

## न्यूज विंडो

### पीएम मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का हुआ अयोजन, 9 लोगों ने किया रक्तदान

**तेंदूखेड़ा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं सहित अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 9 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में शिवम साहू, सत्यम जैन, शुभम जैन, संजू नहरे, सोनू यादव, दिनेश लोधी, सुशील सोनी, सत्यपाल और भोला साहू शामिल रहे। इस दौरान रक्तदाताओं ने जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए रक्तदान करने का संदेश दिया। शिविर में रक्तदान करने वाले सुशील सोनी ने बताया कि यह उनका 16वां रक्तदान है। उन्होंने कहा कि वे नियमित रूप से लगभग तीन से चार माह के अंतराल में रक्तदान करते हैं। उनका कहना है कि रक्तदान जरूरतमंद लोगों के जीवन में मददगार साबित होता है, इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। शिविर के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों एवं आयोजन से जुड़े लोगों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन का उद्देश्य लोगों में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग करना रहा।

### महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान, छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

**तेंदूखेड़ा।** शासन के निर्देशानुसार गुरुवार को स्थानीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्राचार्य ठाकुर ने विद्यार्थियों को अभियान के उद्देश्य और आगामी एक माह में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण के कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा के भाव से जोड़ने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला।

### वन विभाग ने उत्खनन की मात्रा और आरोपियों की तलाश शुरू की

# जेसीबी से जंगल में हो रही खुदाई, 50 से ज्यादा डंपर मिट्टी ले जाने की आशंका

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सोहागपुर रेंज के बागड़ा के जंगल में वन भूमि से बड़े पैमाने पर मिट्टी के अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है। बुधवार शाम गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने कक्ष क्रमांक आरएफ-322 में जेसीबी से मिट्टी निकालते हुए एक मशीन जब्त की। कार्रवाई के बाद जेसीबी को बागड़ा चौकी में खड़ा कराया गया है। मौके से बाहर जाने वाले रास्ते पर डंपरों के बड़ी संख्या में टायरों के निशान मिले हैं। इससे वन विभाग को 50 से अधिक डंपर मिट्टी निकाले जाने की आशंका है।

वन विभाग के अनुसार, अवैध गतिविधियों की निगरानी के लिए गठित विशेष दल गश्त पर था। इसी दौरान जेसीबी से उत्खनन होता मिला। टीम को देखते ही मौके पर मौजूद लोगों में हलचल मच गई। जेसीबी ऑपरेटर से मशीन और उत्खनन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में भी वह अधिकारियों को स्पष्ट जानकारी देने के बजाय अलग-अलग दो लोगों के नाम बता रहा था। सोहागपुर रेंजर हेमंत शर्मा ने बताया कि वन भूमि के साथ आसपास के राजस्व क्षेत्र में भी मिट्टी उत्खनन के निशान मिले हैं। विभाग अब उत्खनन की वास्तविक मात्रा, मिट्टी के

परिवहन और इसमें शामिल लोगों की जानकारी जुटा रहा है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### डंपरों के निशान से बड़े उत्खनन का अंदेशा

बागड़ा के जंगल में वन विभाग की कार्रवाई के बाद अवैध मिट्टी उत्खनन का दायरा बड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। उत्खनन स्थल से बाहर जाने वाले रास्ते पर डंपरों के बड़ी संख्या में टायरों के निशान मिले हैं। वन विभाग का अनुमान है कि यहां से 50 से अधिक डंपर मिट्टी का परिवहन कर चुके हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कुल कितनी मात्रा में मिट्टी निकाली गई। विभाग की टीम उत्खनन स्थल और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है। मिट्टी के परिवहन के रास्ते और राजस्व क्षेत्र में मिले उत्खनन के निशानों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक मात्रा और पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

### ऑपरेटर से पूछताछ दस्तावेज नहीं मिले

कार्रवाई के दौरान वन अमले ने मौके पर मिली जेसीबी के ऑपरेटर से मशीन और मिट्टी उत्खनन से जुड़े दस्तावेज मांगे। वन विभाग के मुताबिक, ऑपरेटर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में भी वह उत्खनन के वास्तविक संचालक के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाया। अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेटर ने अलग-अलग दो व्यक्तियों के नाम बताए हैं। अब वन विभाग मशीन के स्वामित्व, उसके संचालन और उत्खनन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रहा है। जांच टीम यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि जंगल से निकाली गई मिट्टी कहां ले जाई गई और उसके परिवहन में किन वाहनों का इस्तेमाल हुआ। राजस्व क्षेत्र में मिले उत्खनन के निशान भी जांच के दायरे में हैं।

### 'नमो युवा शक्ति' में बिखरे रंग

# 458 महिलाओं ने खेल के मैदान में दिखाया दमखम

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

विकासखंड ओबेदुल्लागंज में स्व-सहायता समूहों की सदस्यों और उनके परिवार की युवतियों के लिए जिला स्तरीय 'नमो युवा शक्ति' खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न समूहों की 458 महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने खेल गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भी माहौल को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन ग्रामीण महिलाओं और युवाओं में आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चंद्रशेखर श्रीवास्तव और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी निखलेश कटारे भी मौजूद रहे। आजीविका मिशन की विकासखंड टीम के सुनील कुमार जेठे, संजय नामदेव, निधि चौहान और जया व्यास ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभालीं और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

## संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा संतान सप्तमी व्रत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं क्षेत्र में गुरुवार को संतान सप्तमी का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर व्रत रखा तथा भगवान सूर्यदेव एवं शिव-पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को संतान सप्तमी का व्रत किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान को आरोग्य एवं दीर्घायु प्राप्त होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कई महिलाएं संतान प्राप्ति की कामना को लेकर भी यह व्रत करती हैं। इस संबंध में पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि संतान सप्तमी व्रत संतान सुख प्रदान करने वाला माना गया है। धार्मिक कथाओं में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा राजा पांडव पुत्र युधिष्ठिर को इस व्रत की महिमा बताए जाने का उल्लेख मिलता है। कथा के अनुसार माता देवकी के पुत्रों को कंस

जन्म लेते ही मार देता था। तब लोमश ऋषि ने माता देवकी को संतान सप्तमी व्रत का विधान बताया। माता देवकी ने श्रद्धापूर्वक व्रत का पालन किया। धार्मिक मान्यता है कि इसी व्रत के प्रभाव से भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ और उन्होंने कंस के अत्याचार से धरती को मुक्ति दिलाई। पर्व के दौरान महिलाओं ने उपवास रखकर पूजन-अर्चन किया और संतान के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

## हवन-पूजन और महाआरती के साथ गूंजे जयकारे, मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के तेजगढ़ सहित ग्रामीण अंचलों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना, हवन-पूजन और महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा के जयकारे लगाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

पतलोनी गांव में भी विश्वकर्मा जयंती पर विशेष आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने एकत्र होकर हवन-पूजन किया और भगवान विश्वकर्मा की आराधना की। ग्राम के शारदा माता मंदिर परिसर में भगवान विश्वकर्मा का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। मंदिर में जल्द ही भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। इसे लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। इसी तरह खर्राघाट, तेंदूखेड़ा सहित क्षेत्र के कई अन्य गांवों में भी जयंती के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भंडारे और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। पूरे क्षेत्र में दिनभर धार्मिक और उत्सव का माहौल बना रहा।

### नगर में निकाली गई भगवान की शोभायात्रा

वास्तु और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती गुरुवार को नगर भर में धूमधाम से मनाई गई नगर के वार्ड क्रमांक 11 में स्थित विश्वकर्मा मंदिर में सुबह समाज के लोग एकत्रित हुए और हवन पूजन किया गया। वहीं दोपहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो विश्वकर्मा मंदिर से होते हुए तारादेही चौराहा से बस स्टैंड होते हुए वापस विश्वकर्मा मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में युवाओं की टोली डीजे कीधुन पर नाच गा रही थी। वहीं भगवान विश्वकर्मा की झांकी सजाई गई थी विश्वकर्मा मंदिर में समाज के लोगों ने एकत्रित होकर प्रसाद ग्रहण किया इसके अलावा तारादेही समनापुर झलौन सर्रा तेजगढ़ भी विश्वकर्मा समाज ने धूमधाम से जयंती मनाई।

**मेट्रो एंकर** | 18 सितंबर को होना था कक्षा 9वीं विज्ञान और 10वीं सामाजिक विज्ञान का पेपर, 16 सितंबर को परीक्षा कराने का आरोप

# निर्धारित तारीख से दो दिन पहले करा दी परीक्षा, सर्रा स्कूल में व्यवस्था पर सवाल

तेंदूखेड़ा/दमोह। दोपहर मेट्रो

जिले में परीक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। तेंदूखेड़ा विकासखंड के सर्रा हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 9वीं विज्ञान और 10वीं सामाजिक विज्ञान की त्रैमासिक परीक्षा निर्धारित तारीख से दो दिन पहले कराए जाने का मामला सामने आया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोनों विषयों की परीक्षा 18 सितंबर को होनी थी, जबकि विद्यार्थियों के आरोप के अनुसार स्कूल में 16 सितंबर को ही परीक्षा करा दी गई।

विद्यार्थियों की ओर से उपलब्ध कराए गए प्रश्नपत्र में सर्रा हायर सेकेंडरी स्कूल की सील और डाइस कोड अंकित होने की बात कही जा रही है। इससे परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह भी है कि निर्धारित तारीख से पहले प्रश्नपत्र स्कूल तक कैसे पहुंचा और परीक्षा किसके निर्देश पर कराई गई।

दमोह में वर्ष 2023 में भी कक्षा 10वीं के पेपर लीक का मामला सामने आया था। उस समय कई शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। फिलहाल सर्रा के मामले में वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। विभागीय जांच में यह तय होगा कि परीक्षा समय से पहले क्यों कराई गई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

### प्रश्नपत्र की गोपनीयता पर उठ रहे हैं सवाल

त्रैमासिक परीक्षा के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कक्षा 9वीं विज्ञान और कक्षा 10वीं सामाजिक विज्ञान का पेपर 18 सितंबर को होना था। आरोप है कि सर्रा हायर सेकेंडरी स्कूल में दोनों परीक्षाएं 16 सितंबर को ही करा दी गईं। विद्यार्थियों की ओर से सामने आए प्रश्नपत्र पर स्कूल की सील और डाइस कोड अंकित होने की बात कही जा रही है। यदि निर्धारित तारीख से पहले परीक्षा कराई गई है तो प्रश्नपत्र की गोपनीयता और परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

### 2023 में भी सामने आया था पेपर लीक मामला

दमोह जिले में परीक्षा व्यवस्था को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं। वर्ष 2023 में कक्षा 10वीं के पेपर लीक का मामला सामने आया था। तत्कालीन मामले में कलेक्टर के निर्देश पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी की ओर से आधा दर्जन शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। अब सर्रा हायर सेकेंडरी स्कूल में निर्धारित तारीख से पहले परीक्षा कराए जाने के आरोप ने एक बार फिर परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान मामले में अभी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हुई है।

## सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत महावीर कॉलोनी स्थित प्रेम गंगा परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल द्वारा अपोलो सेज हॉस्पिटल, भोपाल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में लगभग 210 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में अपोलो सेज हॉस्पिटल के डॉ. आरके चौधरी ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सीय परामर्श दिया। नर्सिंग स्टाफ हर्षवर्धन

द्वारा रक्तचाप (बीपी), शुगर और ईसीजी की निःशुल्क जांचें की गईं। साथ ही अस्पताल के पीआरओ निशांत, उत्कर्ष और अब्दुल हादी ने मरीजों की काउंसलिंग कर उन्हें नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया।

## टोंकी-मनावर मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों में भिड़ंत

# धार में दो सड़क हादसों में गई तीन लोगों की जान, दो गंभीर रूप से हैं घायल

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले में गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहला हादसा मनावर तहसील के टोंकी-मनावर मार्ग पर लोणी फाटे के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में हुआ। हादसे में लोणी निवासी जितेंद्र वास्केल (40) और जामन्या निवासी बाला पिता मदन (55) की मौके पर मौत हो गई। वहीं मदन (36) निवासी जामन्या और सुनील हजारी (28) निवासी लोणी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों का मनावर सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है।

दुर्घटना दोपहर 3:30 बजे हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दूसरा हादसा थाना क्षेत्र के ग्राम बोरझिरी में हुआ। यहां बल्कर वाहन की टक्कर से झेंगदा निवासी बहादुर सिंह (58) की मौके पर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बल्कर चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को पीछे से टक्कर मारी। गिरने के बाद बल्कर का पहिया उनके ऊपर से निकल गया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### बल्कर की चपेट में आया बाइक सवार

ग्राम बोरझिरी में हुए दूसरे हादसे में झेंगदा निवासी बहादुर सिंह (58) की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बहादुर सिंह मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए बल्कर वाहन क्रमांक एमपी-12 जेडएफ-7578 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बहादुर सिंह सड़क पर गिर गए और बल्कर का पहिया उनके ऊपर से निकल गया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने चश्मदीद के बयान दर्ज किए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बल्कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

### एक दिन में दो हादसों से जिले में मचा हड़कंप

धार जिले में एक ही दिन हुए दो सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत से हड़कंप मच गया। पहला हादसा टोंकी-मनावर मार्ग पर हुआ, जहां दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में दो लोगों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर घायल हो गए। दूसरा हादसा बोरझिरी गांव में हुआ, जहां तेज रफ्तार बल्कर ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। पहले हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि दूसरे मामले में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस दोनों घटनाओं की परिस्थितियों और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

### लोणी फटे के पाद दो बाइकों की भिड़ंत में दो की मौत

मनावर-टोंकी मार्ग पर लोणी फाटे के पास गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में चार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में लोणी निवासी जितेंद्र वास्केल (40) और जामन्या निवासी बाला पिता मदन (55) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं जामन्या निवासी मदन (36) और लोणी निवासी सुनील हजारी (28) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को संभाला और एम्बुलेंस की मदद से मनावर सिविल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू कराया।

## कल इंदौर में होगा संवाद कार्यक्रम

# गर्ल्स कॉलेज में युवा चौपाल और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की दी गई जानकारी

**धार। दोपहर मेट्रो**

इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले 'छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम को लेकर धार के शासकीय गर्ल्स कॉलेज में युवा चौपाल आयोजित की गई। इसमें जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनुपमा राठौर ने छात्राओं को कार्यक्रम की रूपरेखा और इसमें भाग लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी छात्रों से संवाद करेंगे। इसकी तारीख 19 सितंबर तय होने की पुष्टि विभिन्न समाचार रिपोर्टों में भी हुई है।

चौपाल में राठौर ने छात्राओं से कार्यक्रम से जुड़ने और ऑनलाइन पंजीयन की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विद्यार्थी शिक्षा, फीस, हॉस्टल सुविधाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक और रोजगार जैसे विषयों पर अपनी बात रख सकेंगे। उनके अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं से सीधे संवाद करना है।

कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता कॉलेजों व छात्रावासों में पहुंचकर विद्यार्थियों को कार्यक्रम की जानकारी दे रहे हैं तथा ऑनलाइन पंजीयन में सहायता कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार, पूर्व जिला महासचिव धर्मेंद्र राठौर, जिला मीडिया प्रभारी मनोज चौहान, सोनू ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## न्यूज विंडो

### 35 साल पुराने हत्याकांड का आरोपी 16 साल बाद पुलिस गिरफ्त में आया

**नर्मदापुरम।** वर्ष 1991 के हत्याकांड और साक्ष्य मिटाने के मामले में आरोपी संजय दीवान को कोतवाली पुलिस ने 16 साल बाद गिरफ्तार किया है। मामले में न्यायालय ने वर्ष 2010 में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। थाना प्रभारी गौरव बुंदेला को आरोपी के राजा मोहल्ला स्थित घर पर होने की सूचना मिली। इसके बाद उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश देकर संजय दीवान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। लंबे समय से फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी।

### प्राइवेट कंपनी को लैब टेस्टिंग का ठेका सैंपल परिवहन व्यवस्था पर उठे सवाल

**कोतमा।** शहडोल संभाग में लैब टेस्टिंग का कार्य निजी कंपनी को सौंपे जाने के बावजूद कोतमा में मरीजों के रक्त सैंपल कथित रूप से निर्धारित स्थान तक पहुंचने के बजाय बस स्टैंड में

लावारिस हालत में पाए जाने का मामला स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह सामने आ रही है कि सैंपल परिवहन अथवा संबंधित व्यवस्था के लिए जिस मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया जा रहा था, उस नंबर पर संपर्क करने पर संबंधित व्यक्ति को स्वयं कंपनी अथवा इस व्यवस्था के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं होने की बात सामने आई। यदि निजी कंपनी को सैंपल कलेक्शन, परिवहन और जांच से संबंधित जिम्मेदारी दी गई है, तो स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लिए गए सैंपलों को निर्धारित प्रयोगशाला तक पहुंचाने की जिम्मेदारी किस कर्मचारी या एजेंसी की थी।

## स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

# सांदीपनि के शिक्षकों को अब दूसरे स्कूलों में जाने का मिलेगा मौका

**जबलपुर। दोपहर मेट्रो**

सांदीपनि विद्यालयों में आसपास की शालाओं के विलय के बाद वहां पदस्थ किए गए शिक्षकों को अब अन्य विद्यालयों में पदस्थ होने का अवसर मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए शिक्षकों की पदस्थापना के लिए काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए हैं।

विभाग के अनुसार काउंसलिंग के माध्यम से ऐसे शिक्षकों को उनकी उपलब्धता और रिक्त पदों के आधार पर अन्य विद्यालयों में पदस्थ किया जा सकेगा। इसके लिए पूरी प्रक्रिया 25 सितंबर तक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। काउंसलिंग के बाद संबंधित शिक्षकों को उन स्कूलों में पदस्थ किया जाएगा, जहां उनके विषय और पद के

अनुसार रिक्तियां उपलब्ध हैं। इस व्यवस्था से सांदीपनि विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। साथ ही अन्य शासकीय स्कूलों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ सकेगी। विभाग की ओर से काउंसलिंग के दौरान उपलब्ध रिक्त पदों और शिक्षकों की पात्रता के आधार पर पदस्थापना की जाएगी।

## पत्रकार विजय सिंघल की थी शिकायत, धरमपुरी कोर्ट का आदेश

# पत्रकार को धमकी देने के मामले में पूर्व टीआई संतोष दूधी पर चलेगा अभियोजन

**धरमपुरी। दोपहर मेट्रो**

पत्रकार विजय सिंघल को कथित रूप से धमकाने के मामले में धरमपुरी न्यायालय ने धामनोद के पूर्व थाना प्रभारी संतोष दूधी के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर अभियोजन चलाने का आदेश दिया है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, न्यायालय ने 16 सितंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3) के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए।

मामला 3 जून 2025 का है। नए गणपति घाट क्षेत्र में वाहनों पर पथराव की सूचना पत्रकार विजय सिंघल ने तत्कालीन टीआई संतोष दूधी को दी थी। आरोप है कि इसके बाद फोन पर पत्रकार को मकान

तोड़ने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई। इस बातचीत का ऑडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया था। स्थानीय रिपोर्टों में भी घटना और ऑडियो को लेकर पत्रकारों के विरोध का उल्लेख किया गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की बात सामने आई, लेकिन आरोप है कि 9 जून को रोजनामचे में पत्रकार के खिलाफ गंभीर टिप्पणियां दर्ज की गईं। इसके बाद सिंघल ने न्यायालय में परिवाद दायर किया। न्यायालय के आदेश के बाद पत्रकार संगठनों ने फैसले का स्वागत किया। हालांकि, मामले में आरोपों और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। न्यायालय के इस निर्णय का पत्रकार जगत ने स्वागत किया है। जिला पत्रकार संघ धार के अध्यक्ष छोटू शास्त्री और एसकेपी न्यूज़ की प्रधान संपादक रेनू अग्रवाल ने कहा कि एक जिम्मेदार पत्रकार को सूचना देने पर धमकाना पुलिस आचरण के विरुद्ध था। न्यायालय के इस फैसले से पत्रकार साथियों में न्याय के प्रति विश्वास बढ़ा है और सत्य की जीत हुई है।

## संचालक, शिक्षक और विद्यार्थियों ने की सुख-समृद्धि की कामना

# ठाकुर निरंजन सिंह आईटीआई एवं कंप्यूटर संस्थान में धूमधाम से मनाई गई भगवान विश्वकर्मा की जयंती

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

ठाकुर निरंजन सिंह आईटीआई एवं कंप्यूटर संस्थान में भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान परिसर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना एवं विधि-विधान से पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आईटीआई के संचालक श्री अमितेंद्र नारोलिया, श्रीमती उजाला नारोलिया, राकेश राजपूत एवं मुस्कान कुशवाहा सहित संस्थान के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने भगवान विश्वकर्मा का पूजन कर सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राकेश राजपूत ने भगवान विश्वकर्मा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि

विश्वकर्मा जयंती तकनीक, निर्माण, कौशल एवं श्रम के सम्मान का पर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तकनीकी कौशल को निरंतर विकसित करने तथा मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के आईटीआई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण से जुड़े उपकरणों और कार्यस्थल की भी पूजा की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। अंत में सभी उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर आईटीआई के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# सांवेर में जर्जर मकान को तोड़ने के दौरान अचानक गिरा मलबा

**धार। दोपहर मेट्रो**

सांवेर में जर्जर मकान को तोड़ने के दौरान अचानक मलबा भरभराकर गिर गया। मलबे की चपेट में कई लोग आ गए। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर मौत होने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है, जबकि चार लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल, इंदौर रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि जर्जर मकान को तोड़ने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मकान का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया और वहां मौजूद लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

## मेट्रो एंकर | गोटेगांव के रिमझा गांव में पहुंचाई 23 प्रकार की खाद्य व दैनिक उपयोग की सामग्री

# अन्नपूर्णा मुहिम...विधवा मां और बेटी को मिला माहभर का राशन

**गोटेगांव। दोपहर मेट्रो**

आर्थिक तंगी से जूझ रहे जरूरतमंद परिवार के लिए संत रामपाल जी महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम सहारा बनकर सामने आई। ग्राम रिमझा (मालीवाड़ा) निवासी विधवा त्रिवेणी बाई पटेल (44 वर्ष) और उनकी 17 वर्षीय बेटी दीक्षा के परिवार तक अनुयायियों ने पहुंचकर पूरे माह की खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं निःशुल्क पहुंचाई।

बताया गया कि त्रिवेणी बाई पिछले करीब 15 वर्षों से विधवा जीवन व्यतीत कर रही हैं और अपनी बेटी के साथ मायके में पिता के मकान में रहकर मजदूरी के सहारे परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों को मिलने के बाद सहायता के

लिए प्रार्थना की गई। इसके पश्चात परिवार की तत्काल मदद करने के निर्देश प्राप्त हुए।

निर्देशानुसार 17 सितंबर 2026 को अनुयायी परिवार के घर पहुंचे और अन्नपूर्णा मुहिम के अंतर्गत करीब 23 प्रकार की खाद्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री प्रदान की। इसमें आटा, मूंग दाल, चना दाल, तेल, शक्कर, चायपत्ती, नमक, चावल, धनिया, जीरा, अचार, दूध पाउडर, मिर्ची, आलू, प्याज, निरमा, बेसन, नहाने का साबुन तथा कपड़े धोने का साबुन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल रही।

**हर माह की 17 तारीख को पहुंचेगी सहायता :** अनुयायियों के अनुसार परिवार को हर माह की 17 तारीख को इसी प्रकार आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी यह सहायता तब तक जारी रखने की बात कही गई है, जब तक परिवार में कोई सदस्य कमाने योग्य होकर आत्मनिर्भर नहीं हो जाता। अन्नपूर्णा मुहिम के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक भोजन एवं आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने की यह पहल मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का उदाहरण प्रस्तुत करती है। परिवार ने इस सहयोग के लिए संत रामपाल जी महाराज एवं उनके अनुयायियों के प्रति आभार व्यक्त किया।


**Government Women's Polytechnic College**
Shivaji Nagar, Bhopal – 462016 (M.P.)
Estb. 1964
Phone: 0755-2576839, Fax: 0755-257684
Email: info@gwpbpl.org, Website: www.gwpbpl.ac.in
Approved by AICTE & Affiliated to RGPV Bhopal
Excellence in Technical Education for Women Empowerment

क्रमांक / शामपॉमभो/स्टोर/2026/1496. भोपाल, दिनांकः 16/09/2026

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

शासकीय महिला पॉलीटेकनिक महाविद्यालय, शिवाजी नगर भोपाल द्वारा जैम पोर्टल के माध्यम से फर्नीचर हेतु निविदायें जारी की गई हैं। संस्था द्वारा जारी निविदाओं में सम्मिलित होने हेतु जैम पोर्टल के माध्यम से पोर्टल पर दर्शित प्रकिया के अनुसार निविदा में भाग लिया जा सकता है। निविदा क्रमांक GEM/2026/B/8016764 एवं GEM/2026/B/8016459 जारी करने की तिथि 15/09/2026 अंतिम तिथि 30/09/2026

PRINCIPAL
Govt. Women's Polytechnic College
Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)

जी-18698/26

## रोहित शर्मा के भविष्य पर फिर चर्चा तेज

# अब सवाल संन्यास का नहीं... 2027 विश्व कप में जगह का है!

### लॉर्ड्स में 138 रन से बदली रोहित की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी

कुछ समय पहले तक भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा की हर वनडे पारी के साथ उनके भविष्य को लेकर सवाल उठते थे। क्या वह 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा रहेंगे? क्या युवा सलामी बल्लेबाजों को मौका देने का समय आ गया है? लेकिन लॉर्ड्स में खेली गई 138 रनों की पारी ने इस सवालों का रुख बदल दिया। रोहित ने एक बार फिर साबित किया कि अनुभव के साथ बड़े मुकाबलों में निर्णायक पारी खेलने की क्षमता अब भी उनके खेल का हिस्सा है। हालांकि, विश्व कप में उनकी जगह अभी तय नहीं है।

### कप्तानी गई, लेकिन चुनौती बरकरार

शुभमन गिल को वनडे टीम की कप्तानी मिलने के बाद रोहित की भूमिका में बड़ा बदलाव आया। अब टीम की रणनीति उनके इर्द-गिर्द तैयार नहीं होती, बल्कि उन्हें अन्य बल्लेबाजों की तरह अपने प्रदर्शन के आधार पर जगह बनाए रखनी होगी। टेस्ट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद रोहित के पास अब केवल वनडे प्रारूप में खुद को साबित करने के अवसर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में रोहित का नाम शामिल है। उनके साथ यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन के सामने अनुभव और युवा विकल्पों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बनी हुई है।

### ऑस्ट्रेलिया में शानदार शुरुआत, फिर उतार-चढ़ाव

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 73 और नाबाद 121 रन की पारियां खेलकर अपने आलोचकों को जवाब दिया था। हालांकि, इसके बाद की 11 पारियों में उनका प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा। इस दौरान उन्होंने 57, 14, 75, 26, 24, 11, 16, 48, 79, 11 और 26 रन बनाए। इन पारियों में कुछ उपयोगी प्रदर्शन जरूर रहे, लेकिन एक ऐसी बड़ी पारी की कमी महसूस हो रही थी, जो उनके भविष्य पर चल रही बहस को पूरी तरह प्रभावित कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ उनके सीरीज में बर्मिंघम में 11 रन और कार्डिफ में 26 रन बनाने के बाद सवाल फिर गहराने लगे।

### लॉर्ड्स में 138 रन ने बदल दी तस्वीर

इंग्लैंड ने 387 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को एक ऐसी पारी की जरूरत थी, जो मुकाबले में वापसी का रास्ता तैयार कर सके। रोहित शर्मा ने 110 गेंदों पर 138 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया। उनकी पारी में 17 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। भारत भले ही 27 रन से मुकाबला हार गया, लेकिन रोहित की पारी ने उनके भविष्य पर चल रही चर्चा को नया मोड़ दे दिया। यह प्रदर्शन ऐसे समय आया, जब उनकी टीम में जगह और उम्र को लेकर बहस जारी थी। पारी ने यह संदेश दिया कि रोहित अब भी बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

## एशियन गेम्स 2026 में भारत के 5 सितारे मचा सकते हैं धमाल

# पहली बार मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। भारत ने इस बार 503 खिलाड़ियों का दल उतारा है, जो 35 खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा चेहरे भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। इनमें कुछ ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिनके प्रदर्शन पर खेल प्रशंसकों की खास नजर रहेगी। इन खिलाड़ियों ने हालिया प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमता का परिचय दिया है और अब एशियाई मंच पर बड़ी चुनौती पेश करने की तैयारी में हैं।

**साक्षी चौधरी: मुक्केबाजी में नई उम्मीद-** महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित की। फाइनल में उन्होंने रूबी व्हाइट के लगातार 68 मुकाबलों से चले आ रहे जीत के सिलसिले को भी रोक दिया। पहली बार एशियन गेम्स में उतरने वाली साक्षी से उनके आक्रामक खेल और आत्मविश्वास के दम पर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

### अनाहत सिंह: स्क्वैश में युवा ताकत

महज 18 वर्ष की अनाहत सिंह भारतीय स्क्वैश की उभरती प्रतिभाओं में शामिल हैं। हाल ही में विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतकर उन्होंने इतिहास रचा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। एशियन गेम्स में अनाहत की चुनौती खास होगी। यदि वह अपनी हालिया लय बरकरार रखती हैं, तो पदक की दौड़ में जगह बनाने का प्रयास करेंगी।

### अनुष्का यादव: हैमर थ्रो में नजरें

एथलेटिक्स दल में शामिल अनुष्का यादव हैमर थ्रो स्पर्धा में अपनी पहचान बना चुकी हैं। राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करने के बाद अब उनकी नजर एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन पर होगी। मजबूत तकनीक और निरंतर अभ्यास के साथ अनुष्का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता दिखाने की कोशिश करेंगी।

### आयुष शेट्टी: बैडमिंटन में बड़ा लक्ष्य

21 वर्षीय आयुष शेट्टी ने विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। छह फीट चार इंच लंबे आयुष अपने दमदार स्मैश और आक्रामक खेल के लिए पहचाने जाते हैं। पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा लेने जा रहे इस खिलाड़ी से भारतीय प्रशंसकों को प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

### सिंड्रेला दास: टेबल टेनिस की नई सनसनी

17 वर्षीय सिंड्रेला दास ने अपनी फुर्ती और आक्रामक अंदाज से टेबल टेनिस में ध्यान आकर्षित किया है। वह महिला युगल और टीम स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। कम उम्र के बावजूद बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा का अनुभव रखने वाली सिंड्रेला एशियाई खेलों में अपनी छाप छोड़ने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी।

## अभिषेक शर्मा की तूफानी सुनामी में उड़ी अफगानिस्तान की टीम

# 108 रन की आंधी से बने 8 ऐतिहासिक रिकॉर्ड, महज 34 गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के युवा विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बल्ले से ऐसी तबाही मचाई कि रिकॉर्ड बुक के कई पन्ने पलट गए। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अभिषेक ने महज 34 गेंदों पर 108 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में 11 छक्के और 9 चौके शामिल रहे। इस विस्फोटक प्रदर्शन के दम पर भारत ने सात विकेट पर 221 रन बनाए और जवाब में अफगानिस्तान को महज 94 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम ने 127 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया। अभिषेक को मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

### 30 गेंदों में शतक, रोहित शर्मा का रिकॉर्ड ध्वस्त

अभिषेक शर्मा ने अपनी शतकीय पारी के दौरान केवल 30 गेंदों में सैकड़ा पूरा किया। इसके साथ ही वह भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2017 में इंदौर में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था। अभिषेक ने फुल मेंबर टीमों के बीच भी सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले सिकंदर रजा और फिन एलन ने 33 गेंदों में शतक लगाकर यह उपलब्धि हासिल की थी। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के समग्र रिकॉर्ड में अभिषेक का शतक तीसरे स्थान पर रहा।

### पावरप्ले में भी रनों का तूफान

अभिषेक शर्मा ने मुकाबले के शुरुआती छह ओवरों में ही अफगानिस्तान के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने पावरप्ले के दौरान केवल 22 गेंदों में 76 रन बना डाले। यह पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पावरप्ले के दौरान किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बताया गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पुर्तगाल के कुलदीप घोलिया के नाम था, जिन्होंने 2023 में माल्टा के खिलाफ 25 गेंदों पर 74 रन बनाए थे।

### 16 गेंदों में अर्धशतक

अभिषेक ने अपनी फिफ्टी महज 16 गेंदों में पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का अपना रिकॉर्ड और मजबूत किया। वह छह बार यह कारनामा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में अभिषेक ने कुल 22 छक्के लगाए। इस तरह उन्होंने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ भी 22 छक्के लगाए थे।

### कोहली के खास क्लब में शामिल

अभिषेक शर्मा का यह टी20 क्रिकेट में 10वां शतक रहा। इसके साथ ही उन्होंने विराट कोहली के 10 टी20 शतकों की बराबरी कर ली। भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और अभिषेक शर्मा अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। केवल राहुल, संजू सैमसन और रोहित शर्मा के नाम आठ-आठ टी20 शतक दर्ज हैं। अभिषेक के पास अब भारतीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा टी20 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बनने का अवसर है।

## एशियन गेम्स 2026, जापान पर भारतीय महिला टीम का पलड़ा भारी, स्वर्ण के लिए लगाएगी जोर

**नई दिल्ली।** पिछले सप्ताह दुबई में रिकॉर्ड आठवीं बार महिला टी20 एशिया कप जीतने के बाद गत चैंपियन और प्रबल दावेदार भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापान के खिलाफ करेगी। एशिया कप खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। लेकिन एशियाड के नॉकआउट प्रारूप में उनके पास गलतियों की गुंजाइश बहुत कम होगी।

### शेफाली-मंधाना पर दारोमदार

महिला स्पर्धा में आठ टीम हिस्सा ले रही हैं और प्रतियोगिता सीधे क्वार्टर फाइनल से शुरू होगी। इसका मतलब है कि किसी भी टीम को टूर्नामेंट में परिस्थितियों के अनुरूप ढलने के लिए ग्रुप चरण के मुकाबले नहीं मिलेंगे और एक हार अभियान को समाप्त करने के लिए काफी होगी। भारत के लिए शेफाली वर्मा अहम होंगी, उन्होंने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह टीम की सबसे अधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज और टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। शीर्ष क्रम में उनकी निरंतरता ने भारत को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि स्मृति मंधाना का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा था। वह भी भारत के एक और खिताबी अभियान की शुरुआत के साथ अपनी पुरानी लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत कौर भी एशिया कप के औसत प्रदर्शन के बाद बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

## मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

# इंटीमेट सीन में अनकफर्टेबल हुई राधिका टूटी संस्कारी इमेज, बोली- बहुत अजीब...

अभिनेत्री राधिका मदान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लस्ट स्टोरीज 3' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह अभिनेता अली फजल के साथ अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म के प्रदर्शन से पहले राधिका लगातार प्रचार में व्यस्त हैं। इसी दौरान उन्होंने एक बातचीत में फिल्म के एक अंतरंग दृश्य से जुड़ा अनुभव साझा किया और बताया कि उस समय उन्हें काफी अजीब महसूस हुआ था।

सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में राधिका मदान ने फिल्म में अपने किरदार और अंतरंग दृश्य के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनका एक ऐसा दृश्य है, जिसमें उन्हें अपने सह-कलाकार से एक खास संवाद कहने के लिए कहा गया था। राधिका के मुताबिक, उस दृश्य की परिस्थिति उनके लिए काफी असहज थी। उन्होंने बताया कि कैमरे के सामने वह संवाद बोलते समय उनके मन में यह सवाल आया कि वह आखिर क्या कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उस समय उन्हें काफी अजीब महसूस हो रहा था।

### 'गहराइयां' के बाद बदला अनुभव

बातचीत के दौरान जब राधिका से पूछा गया कि क्या अंतरंग दृश्यों को फिल्माना उनके लिए मुश्किल होता है, तो उन्होंने अपने पिछले अनुभव का भी जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा कि 'गहराइयां' में काम करने के बाद उन्हें इस तरह के दृश्यों को लेकर पहले जैसी परेशानी महसूस नहीं होती। उन्होंने संकेत दिया कि उस फिल्म के अनुभव ने उन्हें कैमरे के सामने ऐसे दृश्यों को लेकर अधिक सहज होने में मदद की।

### शकुन बत्रा के निर्देशन में बनी है फिल्म

'लस्ट स्टोरीज 3' का निर्देशन शकुन बत्रा ने किया है। फिल्म में राधिका मदान और अली फजल को केंद्रीय जोड़ी के रूप में दिखाया गया है। कहानी रिश्तों, भावनाओं और उनके बीच पैदा होने वाली जटिल परिस्थितियों के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच भी उत्सुकता बनी हुई है, खासकर इसके कलाकारों और अलग-अलग निर्देशकों की अलग-अलग कहानी के कारण। 'लस्ट स्टोरीज 3' में राधिका मदान और अली फजल के अलावा कोंकणा सेन शर्मा, अदिति राव हैदरी, सना शम्मी, विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी, सिद्धार्थ और गुरफतेह पीरजादा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म 18 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होने वाली है। रिलीज से पहले कलाकारों के इंटरव्यू और फिल्म से जुड़ी चर्चाओं ने इसकी दिलचस्पी बढ़ा दी है।

# लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचीं शिल्पा शेट्टी, 100 साल पुराने झुमकों ने खींचा सबका ध्यान

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हाल ही में अपनी छोटी बहन शमिता शेट्टी और परिवार के साथ मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचीं। गणपति बप्पा के दरबार में पहुंचकर अभिनेत्री ने आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनका पारंपरिक अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में शिल्पा शेट्टी अपनी बहन और परिवार के साथ बप्पा के दर्शन करती नजर आ रही हैं। दर्शन के दौरान अभिनेत्री ने मूषक महाराज के कान में अपनी मनोकामना कहने की इच्छा भी जताई।

वीडियो में शिल्पा शेट्टी कहती सुनाई देती हैं कि वह मूषक जी के कान में कुछ कहना चाहती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गणपति जी के वाहन मूषक के कान में कही गई इच्छा बप्पा तक पहुंचती है। शिल्पा भी इस परंपरा को निभाना चाहती थीं, लेकिन लालबागचा राजा के दर्शन के लिए उमड़ी भारी भीड़ के चलते उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिल सकी।

दर्शन के दौरान शिल्पा शेट्टी के पारंपरिक परिधान और आभूषणों ने खास तौर पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अभिनेत्री ने खूबसूरत साड़ी के साथ बिना आस्तीन वाला ऊंची गले का मरून रंग का ब्लाउज पहना था। उन्होंने अपने श्रृंगार को पारंपरिक आभूषणों, चूड़ियों और अंगूठियों के साथ पूरा किया। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा उनके झुमकों की हुई। वीडियो में शिल्पा ने बताया कि उनके झुमके करीब 100 साल पुराने हैं।

## मेट्रो बाजार

# यूपीआई एमडीआर को लेकर ब्रोकर्स की चिंताओं की जांच करेगा सेबी : चेयरमैन तुहिन कांत पांडे

**मुंबई।** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) फ्रेमवर्क को लेकर स्टॉकब्रोकरों द्वारा उठाई गई चिंताओं की जांच करेगा। नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2026 के इतर पत्रकारों से बातचीत में सेबी प्रमुख ने कहा कि इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए हैं और नियामक इन चिंताओं पर विचार करेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ब्रोकर्स और ब्रोकिंग कंपनियों ने यूपीआई पर लागू नए एमडीआर ढांचे से उद्योग पर पड़ने वाली अतिरिक्त लागत को लेकर चिंता जताई थी। इससे पहले, जेरोधा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) यूपीआई भुगतान पर लागू नए ढांचे का समर्थन करते हुए कहा था कि यूपीआई के व्यापक स्तर पर अपनाए जाने के बाद यह कदम उठाया जाना आवश्यक हो गया था। हालांकि, कामथ ने यह भी कहा था कि निवेश और ब्रोकिंग जैसे कुछ उपयोग मामलों में प्रस्तावित एमडीआर संरचना व्यावहारिक नहीं लगती। उन्होंने कहा कि कई बार ग्राहक अपने ब्रोकिंग खाते में यूपीआई के जरिए धनराशि जमा करते हैं, लेकिन बाद में कोई ट्रेड नहीं करते। ऐसी स्थिति में ब्रोकर्स को शुल्क का बोझ उठाना पड़ सकता है, जबकि उन्हें कोई राजस्व प्राप्त नहीं होता।

# टाटा मोटर्स का एलान, 1 अक्टूबर से कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1% तक की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने कहा कि वह 1 अक्टूबर 2026 से अपने पूरे कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कहा कि कीमतों में यह संशोधन मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगा। बढ़ती कमोडिटी कीमतों और अन्य इनपुट लागतों के प्रभाव को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस वर्ष कमर्शियल वाहन श्रेणी में टाटा मोटर्स द्वारा की जा रही यह दूसरी मूल्य वृद्धि है। इससे पहले कंपनी ने 1 अप्रैल 2026 से कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। उस समय भी कंपनी ने बढ़ती कमोडिटी और इनपुट लागतों को इसका कारण बताया था।

ताजा फैसला टाटा मोटर्स के विभिन्न कारोबारों में कीमतों में हो रही बढ़ोतरी की व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने भी 1 जुलाई से अपने यात्री वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। इसमें आंतरिक दहन इंजन वाले मॉडल और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों शामिल थे। यह पैसेंजर वाहन कारोबार में वर्ष 2026 की दूसरी मूल्य वृद्धि थी। इससे पहले 1 अप्रैल से कंपनी ने अपने आईसीई पोर्टफोलियो की कीमतों में 0.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। अप्रैल में किए गए संशोधन के तहत कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में 1.09 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी, जबकि टाटा अल्ट्रोज के कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में मामूली कमी की गई थी। पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में वाहन निर्माता बढ़ती कमोडिटी कीमतों, लॉजिस्टिक्स खर्च, सप्लाई चेन लागत और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण कीमतों में बदलाव कर रहे हैं। मारुति सुजुकी ने जून 2026 से अपने वाहनों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की थी, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने 1 जून से कीमतों में 12,800 तक की बढ़ोतरी की थी।

# पहाड़ों में पहली बर्फबारी और घना कोहरा

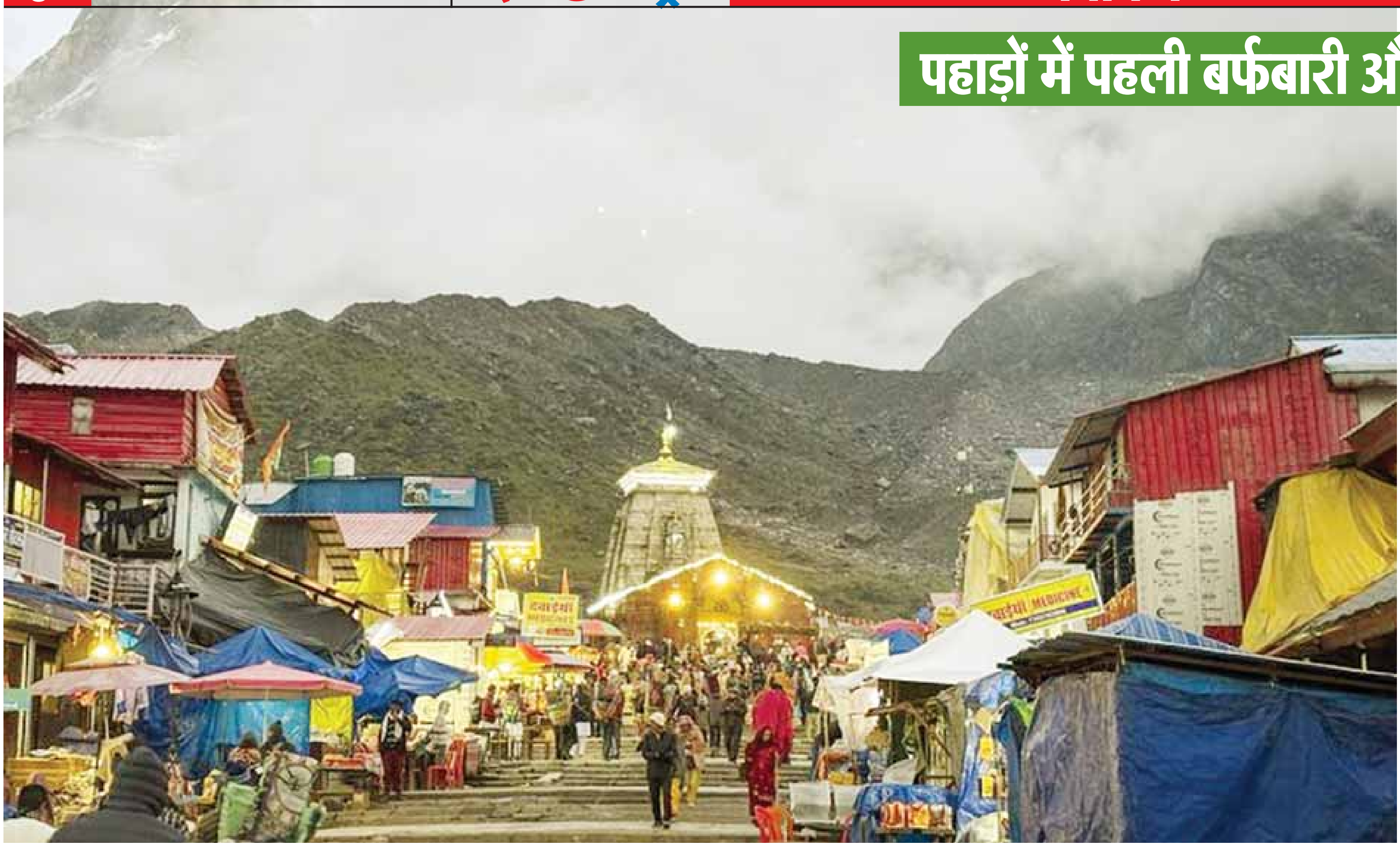

**देहरादून/श्रीनगर।** सितंबर के मध्य में ही उत्तर भारत के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो चुकी है। इसके चलते बर्फबारी के आसपास के इलाकों में ठंड पड़ रही है। देर रात से ही हिमाचल प्रदेश के जनजातीय इलाकों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। रोहतांग और लाहौल स्पीति में पहाड़ सफेद चादर में लिपटने लगे हैं। उधर, उत्तराखंड स्थित हेमकुंट साहिब में भी सीजन की पहली बर्फबारी हुई। केदारनाथ घाटी और रुद्रप्रयाग में भी लगातार बारिश और घने कोहरे से मौसम बदला है। उत्तराखंड में मानसून के दौरान खराब मौसम और अन्य चुनौतियों के बावजूद इस वर्ष चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में करीब 50.87 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे।

उधर, कश्मीर के गुलमर्ग और गुरेज के ऊंचाई वाले इलाके मौसम की पहली बर्फबारी से सफेद चादर से ढक गए जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के कुछ ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में गोंडोला फेज-दो और अफरवात क्षेत्र सहित प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग के ऊपरी इलाकों में रात के दौरान बर्फबारी हुई।

## न्यूज विंडो

### लंदन से ढाका जा रही फ्लाइट में बवाल फिल्मी स्टाइल में मारपीट से मचा हड़कंप

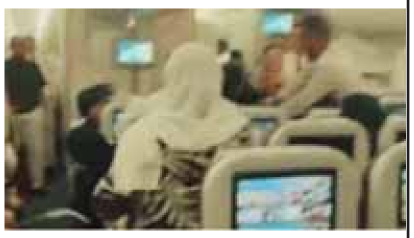

**ढाका।** लंदन से बांग्लादेश के ढाका जाने वाली एक फ्लाइट में हंगामा हो गया। दरअसल, दो यात्रियों के बीच झगड़ा हुआ और बात मारपीट तक पहुंच गई। यह घटना बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस है। अब सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है।ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, लंदन से ढाका के लिए बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की एक फ्लाइट ने उड़ान भरी। दो यात्रियों के बीच पहले बहस हुई और फिर वे आपस में लड़ने लगे। साथ के यात्रियों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन वे दोनों एक-दूसरे को लात-घूंसे मारने लगे। हालांकि, काफी मशक्कत के बाद उन्हें काबू में किया गया। इस घटना के दौरान एक यात्री की टी-शर्ट फट गई। बिमान बांग्लादेश ने इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। फ्लाइट में हुई बहस के बारे में पूछे जाने पर एयरलाइन के जनरल मैनेजर महबूबुद्दीन अहमद ने कहा, 'मुझे इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मैं जल्द ही पता लगाऊंगा।'

### कार में रील बनाना पड़ा भारी, बिजली पोल से टकराई कार; दो दोस्तों की मौत

**कन्नौज।** शहर में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।सदर कोतवाली के मोहल्ला अहमदी टोला निवासी 20 वर्षीय अराफात पुत्र इकलाख, बजरिया निवासी 20 वर्षीय सैफी पुत्र सद्दाम, 16 वर्षीय मोहम्मद अमान खान पुत्र उबेद खान व 18 वर्षीय अली खान पुत्र आदिल खान गुरुवार रात करीब एक बजे तिर्वा से वापस कन्नौज की ओर कार से आ रहे थे।तभी रास्ते में चारों दोस्त मिलकर रील के लिए वीडियो बनाने लगे। चलती कार पर वीडियो बनाने में असंतुलित कार बिजली के पोल से टकरा गई। इससे अली खान और मोहम्मद अमान खान की मौत हो गई। जबकि सैफी व अराफात घायल गए।घायलों को राजकीय मेडिकल कालॉज तिर्वा में भर्ती कराया गया। सैफी की हालत गंभीर होने से कानपुर रेफर कर दिया गया है। अराफात की हालत में सुधार हो गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

### युवराज हत्याकांड: 7 घंटे तक लाश लेकर घूमता रहा कपल, नाले में फेंका

**नई दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली में लाजपत नगर मार्केट से 6 सितंबर को लापता हुए सरिता विहार निवासी 31 वर्षीय युवराज सिंह मनचंदा की हत्या के मामले में हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं।पुलिस ने युवराज की पूर्व ऑफिस सहकर्मी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। दोनों को बृहस्पतिवार को साकेत कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस के मुताबिक, फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में चिकित्सक युवराज की बड़ी बहन हरसिमरन मनचंदा ने 11 सितंबर को लाजपत नगर थाने में उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।16 सितंबर को दिल्ली पुलिस के माध्यम से परिवार को पता चला कि गुरुग्राम के बादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवराज सिंह शव बरामद हुआ था।

## टीएमसी के दोनों गुटों में वर्चस्व की लड़ाई

# ममता बनर्जी ने ईसी को सौंपे तीन नए नाम और चुनाव चिह्न

**कोलकाता, एजेंसी**

आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में चुनाव आयोग द्वारा टीएमसी के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों पर पार्टी के नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है।सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी ने गुरुवार रात 11:36 बजे चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश का जवाब सौंपते हुए अपनी पसंद के तीन नाम और चुनाव चिह्न दिए, लेकिन इसे कड़े विरोध के साथ दाखिल किया गया।

यह कदम तब सामने आया है जब चुनाव आयोग ने अपने अंतरिम आदेश में ममता बनर्जी और ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुटों के बीच बंटवारे को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया कि कोई भी गुट ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसका नाम या फूल और घास वाले चुनाव चिह्न का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। दोनों गुटों को अब अलग-अलग नामों और आयोग द्वारा आवंटित किए गए नए चुनाव चिह्नों के साथ उपचुनाव लड़ने होंगे। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी जब तक इस विवाद का अंतिम निपटारा नहीं हो जाता।

### जुलाई में पहुंचा था चुनाव आयोग में ये विवाद

चुनाव आयोग पार्टी के नियंत्रण, उसके नाम और चुनाव चिह्न को लेकर दोनों गुटों के दावों और दलीलों पर लगातार सुनवाई कर रहा है। कार्यवाही के दौरान दोनों पक्षों ने अपने-अपने दस्तावेज जमा किए हैं और आयोग के समक्ष पेश भी हुए हैं।यह पूरा विवाद इस साल जुलाई में चुनाव आयोग तक पहुंचा था, जब प्रतिद्वंद्वी गुटों ने टीएमसी पर नियंत्रण के लिए अपने-अपने दावे पेश किए थे। इसके बाद पैनल ने संगठनात्मक नियंत्रण, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं, पार्टी की संपत्तियों, नाम और चुनाव चिह्न सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर दोनों पक्षों से जवाब मांगे थे।

## हैदराबाद की NIA कोर्ट का बड़ा फैसला

# मानव तस्करी मामले में 8 बांग्लादेशियों समेत 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा

**हैदराबाद।** एनआईए की विशेष अदालत ने 2019 के एक बड़े मानव तस्करी के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साल 8 बांग्लादेशी नागरिकों समेत कुल 9 आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, हैदराबाद की स्पेशल कोर्ट ने यह सख्त फैसला गुरुवार को सुनाया। कोर्ट के इस कदम को सरहद पार से होने वाले संगठित अपराधों और इंसानों की तस्करी पर कड़ा प्रहार है।

यह गंभीर मामला साल 2019 में सामने आया था। इसमें मुख्य रूप से बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी की गई थी। जांच में यह बात साबित हुई कि इन पीड़ित महिलाओं को अवैध तरीके से सीमा पार कराकर भारत लाया गया था, जिसके बाद उन्हें जबरन वेश्यावृत्ति के काले धंधे में धकेल दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एनआईए ने जांच अपने हाथ में ली और पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में आरोप पत्र दायर किया। इसी के आधार पर अब 9 आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा दी गई है, जिनमें 8 बांग्लादेशी नागरिक हैं।आजीवन कारावास की सजा के साथ-साथ विशेष अदालत ने सभी दोषी ठहराए गए आरोपियों पर कुल 1,37,000 रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया है।

# झारखंड: इंजीनियरिंग कॉलेज के खाने को लेकर छात्रों का हंगामा

## कीड़े-कांच और लोहे के तार मिलने का आरोप

**रांची।** नीलांबर-पितांबरपुर स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में मेस के खाने की गुणवत्ता और रसोई की साफ-सफाई को लेकर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रों का आरोप है कि मेस में लगातार घटिया गुणवत्ता का भोजन परोसा जा रहा है। छात्रों ने खाने में कीड़े, कांच के टुकड़े, बाल और लोहे के तार मिलने की शिकायत भी की। इसके अलावा खाना बनाने की जगह, बर्तनों की सफाई और पूरी स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी छात्रों में नाराजगी है।

हंगामे की सूचना मिलने के बाद फूड इंस्पेक्टर, सदर एसडीओ संजय पांडे, अंचलाधिकारी जागो महतो और फूड सेफ्टी विभाग की संयुक्त टीम कॉलेज परिसर पहुंची। टीम ने मेस का औचक निरीक्षण किया और भोजन की गुणवत्ता के साथ-साथ साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था की जांच की। जांच के दौरान मेस से चावल, दाल और लाल मिर्च के सैंपल लिए गए। सभी सैंपल को सील करने के बाद जांच के लिए स्टेट फूड लैब, नामकुम, रांची भेज दिया गया है।

# जजों के खिलाफ गुमनाम शिकायतें करने वाले बिल्डर्स को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, सीबीआई जांच का आदेश

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट में जजों एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) और वकीलों के खिलाफ बड़ी संख्या में गुमनाम शिकायतें की गई। चीफ जस्टिस ने इन शिकायतों को बड़ी गंभीरता से लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कई रियल एस्टेट कंपनियों और बिल्डरों पर सबवेंशन स्कीम का गलत इस्तेमाल करने, घर खरीदारों को धोखा देने, प्रोजेक्ट में देरी करने और निवेश किया गया पैसा वापस करने से इनकार करने के लिए सख्ती बरती, इसके बाद ही ये मामला सामने आया है।

बिल्डरों के खिलाफ जांच शुरू होने के बाद से ही जजों के खिलाफ गुमनाम शिकायतें आने लगीं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डरों को फटकार लगाई।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा, 'हम इन शिकायतों की CBI जांच का आदेश देंगे ताकि पता चल सके कि इनके पीछे कौन है।'

CJI सूर्यकांत ने पूछा, 'इन मामलों में बिल्डरों का प्रतिनिधित्व कौन से वकील कर रहे हैं? आप (बिल्डर) हमें गुमनाम शिकायतें भेजने लगे हैं? आप लोग नहीं जानते कि हम कितने सख्त लोग हैं।'

भाटी की ओर मुड़ते हुए CJI ने कहा, 'अगली सुनवाई की तारीख पर हम आपको शिकायतों का एक और सेट देंगे। आप उनकी जांच करें और पता लगाएं कि इन्हें लिखने के लिए कौन जिम्मेदार है। हमारा मानना है कि इनमें से ज्यादातर बिल्डर होंगे और निश्चित रूप से कुछ वकील भी होंगे जिन्होंने उन्हें गलत सलाह दी होगी।'

## मेट्रो एंकर

## अमेरिकी कंपनी ने पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम हटाई

# पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 नौकरियां खत्म

**वॉशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिकी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी ब्लू वाइन ने महज पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 लोगों की अपनी पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को ही निकाल बाहर किया है। आर/इंडिया वर्कप्लेस कम्युनिटी में एक प्रभावित कर्मचारी ने अपना दर्द साझा करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी है। कर्मी ने बताया कि छंटनी वाले दिन मैनेजमेंट ने सभी 80 कर्मचारियों को ऑपरेशनल कारणों (कामकाजी वजहों) का हवाला देकर ऑफिस आने के बजाय घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने के लिए कहा था।

कर्मचारी अपनी शाम 6:30 बजे की सामान्य शिफ्ट कर रहे थे। शिफ्ट शुरू होने के ठीक 3 घंटे बाद, रात 9:30 बजे अचानक पूरी टीम को एक गूगल मीट लिंक के जरिये वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने को कहा गया। मीटिंग शुरू होते ही सीनियर मैनेजमेंट ने बिना किसी पूर्व चेतावनी या नोटिस के सीधे तौर पर कह दिया कि पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जा रहा है। यह पूरी बातचीत महज 5 मिनट में खत्म हो गई।

प्रबंधन ने कथित तौर पर प्रदर्शन से जुड़ी समस्याओं (परफॉरमेंस इश्यू) और अपेक्षाओं के अनुरूप आउटपुट न मिलने का हवाला दिया है। प्रभावित कर्मचारियों ने इन आरोपों को नकारा है और सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

### डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है कंपनी

अमेरिकी कंपनी डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है। यह अमेरिका में छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों को बैंकिंग, लोन और पेमेंट जैसी वित्तीय सेवाएं देती है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यू जर्सी में है। कंपनी में वैश्विक स्तर पर करीब 1,000 कर्मचारी है। भारत में काम कर रही इसकी पूरी कस्टमर सपोर्ट यूनिट में 80 कर्मचारी थे, जिन्हें एक साथ इस कॉल के जरिये निकाला गया।

**एक्सेस तुरंत ब्लॉक किया :** जैसे ही 5 मिनट की गूगल मीट खत्म हुई, कर्मचारियों के ऑफिशियल ईमेल, स्लैक और कंपनी के अन्य सभी सिस्टम के एक्सेस तुरंत बंद कर दिए गए। उन्हें अपनी बात रखने का मौका भी नहीं मिला।

**एआई बना छंटनी की वजह :** कंपनी ने हाल ही में कॉल और ईमेल सपोर्ट के लिए एआई टूल्स को लागू किया था, जिसके बाद इंसानी कॉल्स के वॉल्यूम में 30% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। बचे हुए काम को संभालने के लिए कंपनी ने किसी बाहरी थर्ड-पार्टी वेंडर को काम सौंप दिया है, जिससे उन्हें इन पक्के कर्मचारियों की जरूरत नहीं रही। प्रभावित कर्मचारी ने अपनी पोस्ट में लिखा, सभी 80 कर्मचारी। सब चले गए... सिर्फ एक 5 मिनट की कॉल से 80 परिवार प्रभावित हुए हैं। हम इन कॉरपोरेट्स के लिए दिन-रात इतनी मेहनत करते हैं जो हमें कभी भी उठाकर अपनी कंपनी से बाहर फेंक सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524